शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 247 | गुवाहाटी | रविवार, 12 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एक दिन में 51.5 लाख एलपीजी सिलेंडर किए गए डिलीवर : सरकार — पेज 2
भारत के लोकतंत्र का उत्सव : ईआईवीपी 2026 में असम चुनाव पर दुनिया की नजर — पेज 3
वृंदावन नाव हादसा : पंजाब के मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों के साथ दुख साझा किया — पेज 5
बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप : आयुष शेट्टी ने विश्व नंबर एक कुनलाबुत... — पेज 7

ईरान-अमेरिका सीजफायर वार्ता शुरू, तीन मुद्दों पर राजी ईरान, एक जिद भी छोड़ी

इस्लामाबाद। अमेरिका और ईरान के बीच शनिवार को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में बातचीत शुरू हुई है। ईरान और अमेरिका दोनों डेलीगेशन की करीब दो घंटे तक आमने-सामने मुलाकात हुई है। सूत्रों का कहना है कि ईरान ने अब तक तीन मुद्दों पर समझौते किया है। बातचीत से पहले ईरान की दो शर्तें थी, हालांकि अमेरिका ने ईरान की इन दोनों शर्तों को पूरा नहीं किया, फिर भी बातचीत हो रही है। ईरान ने तीसरे मुद्दे पर भी समझौता किया। ईरान की पॉलिसी थी कि अमेरिका के साथ कभी डॉयरेक्ट बातचीत नहीं करेंगे, लेकिन अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस के इस्लामाबाद पहुंचने से ईरान को इस मामले पर भी पीछे हटना पड़ा। सूत्रों का कहना है कि अमेरिकी और ईरानी डेलीगेशन के बीच कुछ मुद्दों पर बात बन जाएगी। ईरान नहीं चाहेगा कि अमेरिकी उप राष्ट्रपति खाली हाथ जाएं। दुबारा युद्ध ना हो इसके लिए ईरान कुछ अहम मुद्दों पर लचीला रूख अपनाएगा। ईरान और अमेरिकी डेलीगेशन के बीच जारी बातचीत पर पल-पल की जानकारी राष्ट्रपति ट्रंप को दी जा रही है। दोनों डेलीगेशन के बीच हरेक मुद्दों पर ट्रंप से भी फोन के जरिए संपर्क करके सहमति ली जा रही है। ईरान को पता है कि व्हाइट हाउस में फिलहाल जेडी वेंस अकेले हैं, जो ईरान के साथ जंग नहीं चाहते हैं। बदले में ईरान को कुछ रियायत मिलेगी। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी ने कहा कि दक्षिणी लेबनान पर इजराइली हमलों में कमी और ईरान की दूसरी पहले से

तय शर्तों को पूरा करने के बाद अमेरिका, ईरान और पाकिस्तान के साथ तीन-तरफा बातचीत शुरू हुई। यह बातचीत अमेरिका के वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस की पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात के बाद हुई। प्रधानमंत्री ने ईरानी -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान असफल देश शांति वार्ता के बीच ट्रंप ने उड़ाया मजाक

नई दिल्ली। पाकिस्तान में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता शुरू हो गई है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि बातचीत शुरू हो चुकी है और हालात जल्द बदल सकते हैं। ट्रंप ने एक इंटरव्यू में ईरान को *असफल देश* बताया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि अगर बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ती है तो हालात सुधर सकते हैं। उन्होंने यह भी -शेष पृष्ठ दो पर

वार्ता के बावजूद ईरान का सख्त संदेश-
अमेरिका पर विश्वास नहीं, उंगली ट्रिगर पर रहेगी

तेहरान। इस्लामाबाद में शांति वार्ता के बावजूद ईरान की सरकारी प्रवक्ता फातेमेह मोहाजेरानी ने सख्त रुख दिखाते साफ कहा है कि बातचीत के बावजूद उनकी *उंगलियां ट्रिगर पर रहेंगी।* उनका यह बयान दर्शाता है कि तेहरान किसी भी स्थिति के लिए तैयार है और अपने अधिकारों से समझौता नहीं करेगा उन्होंने यह भी कहा कि ईरान बातचीत में विश्वास करता है, लेकिन अमेरिका पर भरोसा नहीं करता। यही वजह है कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल बेहद सावधानी और रणनीति के साथ वार्ता में हिस्सा ले रहा है। इस बीच अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने शहबाज शरीफ से मुलाकात की, जो इस पूरे कूटनीतिक घटनाक्रम का अहम हिस्सा है। शहर का सेरेना होटल इस समय कूटनीतिक गतिविधियों का केंद्र बना हुआ है, जहां भारी सुरक्षा के बीच दोनों देशों के प्रतिनिधि मौजूद हैं। ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मोहम्मद बगेर गालिबफ कर रहे हैं, जबकि अमेरिकी टीम में स्टीव विटकॉफ -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम डॉ. शर्मा ने बाबा श्याम के दरबार में पूजा-अर्चना की, जीत का आशीर्वाद भी मांगा

जयपुर। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को सीकर जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल खाटूश्यामजी पहुंचकर बाबा श्याम के दरबार में धोक लगाई और आगामी विधानसभा चुनाव परिणामों से पहले जीत का आशीर्वाद

मांगा। उनके इस धार्मिक दौरे को राजनीतिक दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच खाटू धाम पहुंचे, जहां श्री श्याम मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर बाबा श्याम से असम और देश की खुशहाली की कामना की। दर्शन के बाद उन्होंने कहा कि बाबा श्याम की कृपा सभी पर बनी रहे और देश निरंतर प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़े। मीडिया से बातचीत में सीएम शर्मा ने असम विधानसभा चुनाव को लेकर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि राज्य में -शेष पृष्ठ दो पर

होर्मुज से 90 प्रतिशत फंसा माल निकला : सोनोवाल

नई दिल्ली। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने मिडिल ईस्ट के बदलते हालात पर अपने मंत्रालय में महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में जहाजरानी मंत्रालय से जुडे आला अधिकारी मौजूद थे। अधिकारियों और बंदरगाह प्राधिकरणों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में उभरती स्थिति ने शुरुआत में कार्गो आवाजाही और जहाज यातायात को बाधित किया -शेष पृष्ठ दो पर

असम चुनाव के बाद एनडीए का बढ़ा दावा
अतुल बोरा बोले- हमें 90 सीटें मिलेंगी

गुवाहाटी। 2026 असम विधानसभा चुनाव के समापन के बाद, असम गण परिषद (अगप) के अध्यक्ष अतुल बोरा ने भारी मतदान को लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत बताया। गोलाघाट में बोलते हुए, बोरा ने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को निर्णायक जीत मिलेगी। उन्होंने कहा कि असम में लोकतंत्र मजबूत है, इसीलिए इतने सारे लोगों ने मतदान किया है। अगप की सीटें भी बढ़ेंगी। भाजपा की सीटें भी बढ़ेंगी। एनडीए को लगभग -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

राज्य के विभिन्न हिस्सों में रंगाली बिहू की तैयारी जोरों पर

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद अब राज्यभर में असमिया संस्कृति के सबसे प्रमुख पर्व रंगाली बिहू (बहाग बिहू) को लेकर तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इस पर्व के आगमन में अब कुछ ही दिन

शेष हैं, ऐसे में गांव-शहर हर जगह सांस्कृतिक माहौल बनता जा रहा है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में बिहू के स्वागत को लेकर व्यापक तैयारियां चल रही हैं। ढोल, पेपा और पारंपरिक बिहू नृत्य की कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को बोकाखात स्थित बोकाखात जातीय विद्यालय में *बहाग बिहू स्वागत* कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। विद्यालय परिसर में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ इस आयोजन ने सभी का मन मोह लिया। विद्यालय प्रशासन ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी छात्रों को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के उद्देश्य से इस -शेष पृष्ठ दो पर

मथुरा नाव हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हुई सात अभी भी लापता

मथुरा (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में युमना नदी में मोटर बोट पलटने से हुए हादसे के बाद राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और अन्य बचाव दल युद्धस्तर पर लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं। इस बीच शनिवार को एक और युवक का शव बरामद किया गया है। इससे इस हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो चुकी है, जबकि सात लोग अभी लापता हैं। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश -शेष पृष्ठ दो पर

आदर्श आचार संहिता के नियमों में ईसी ने किया बदलाव
अब नोटिस नहीं, सीधे दर्ज हो रही एफआईआर

नई दिल्ली। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसी) ने आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन से निपटने की अपनी दशकों पुराने नियमों में बड़ा बदलाव किया है। नए नियमों के तहत अब चुनाव आयोग आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन

के लिए नोटिस जारी करने की जगह सीधे एफआईआर दर्ज करवा रहा है। दरअसल, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में लिया गया यह फैसला चुनावी प्रक्रिया को तेज करने और कानूनी सख्ती बढ़ाने के उद्देश्य से लिया गया है। क्योंकि, चुनावों के कम चरणों में और कम समय में संपन्न होने के कारण, नोटिस जारी करने, जवाब मांगने और फैसला सुनाने की समय लेने वाली प्रक्रिया अब चुनाव प्रचार के सीमित समय में पूरी कर पाना मुश्किल होता है। चुनाव आयोग के अनुसार, नोटिस और चेतावनी जैसे कदम अक्सर बेअसर साबित होते हैं, जबकि एफआईआर के माध्यम से *लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम* के तहत अपराधियों पर सीधी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकती है। इस बार, 7 अप्रैल को असम में एक चुनावी रैली के दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा की गई सांप्रदायिक टिप्पणियों पर (भाजपा के अनुरोध के बावजूद) या 5 अप्रैल को कांग्रेस -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

दुसरो के कल्याण से बढ कर, दुसरा और कोई नेक काम और धर्म नहीं होता।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

न्यूज गैलरी

बिहार में सरकारी डॉक्टरों के निजी प्रैक्टिस पर प्रतिबंध

पटना (हि.स.)। बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने एक अहम निर्णय लेते हुए सरकारी चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस पर पूर्ण रूप से रोक लगा दी है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने शनिवार को आधिकारिक पत्र जारी कर -शेष पृष्ठ दो पर

बाइस देशों के प्रतिनिधियों ने असम, केरल और पुडुचेरी में चुनाव प्रक्रिया देखी

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग के अंतर्राष्ट्रीय निर्वाचन आगंतुक कार्यक्रम में 22 देशों के प्रतिनिधियों ने केरल, पुडुचेरी और असम में मतदान प्रक्रिया को देखा। प्रतिनिधियों ने चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता, व्यापकता और समावेशी व्यवस्था की सराहना करते हुए इसे लोकतंत्र का उत्सव बताया। चुनाव आयोग के अनुसार, यह कार्यक्रम 10 और 11 अप्रैल को केरल, पुडुचेरी और असम में आयोजित किया गया, जिसमें 38 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया और चुनाव प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। प्रतिनिधियों ने मतदान केंद्रों, प्रेषण केंद्रों और निगरानी तंत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया की सटीकता, बड़े -शेष पृष्ठ दो पर

कटिहार में भीषण सड़क हादसा 10 की मौत, 25 घायल

कटिहार। कटिहार से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे कोढ़ा इलाके को हिला कर रख दिया। एनएच-31

पर बसगड़ा चौक के पास दातपुर मुसहरी चौक के नजदीक बस और पिकअप वैन की जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भयानक था कि इसकी चपेट में आई दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे में अब तक 10 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 25 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। बताया जा रहा है कि हरदा से पूर्णिया जा रही बस का चालक नशे की हालत में था और रास्ते में पहले भी एक-दो जगह -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल चुनाव-2026: कटवा रैली में प्रधानमंत्री का सीएए लागू करने और घुसपैठ रोकने का वादा

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कटवा में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए नागरिकता, घुसपैठ और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) जैसे मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी

(भाजपा) का स्पष्ट रुख सामने रखा। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के तहत नागरिकता देने की प्रक्रिया को तेज किया जाएगा, विशेषकर मतुआ और नामशूद्र शरणार्थी परिवारों के लिए। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की सरकार लोगों में भय का माहौल बना रही है, जबकि केंद्र सरकार का उद्देश्य शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि मतुआ और नामशूद्र समाज के लोग संविधान के संरक्षण में हैं और उन्हें उनका अधिकार जरूर मिलेगा। -शेष पृष्ठ दो पर

असम चुनाव : महिला वोटरों को लुभाने के लिए पार्टियों में रही होड़

गुवाहाटी /नई दिल्ली। महिला वोटरों को लुभाने के लिए राजनीतिक पार्टियां महिलाओं के खाते में कैश ट्रांसफर जैसी घोषणाएं करती हैं। असम भी इससे अछूता नहीं रहा। असम में, भाजपा के संकल्प पत्र में वादा किया है कि *अरुणोदय* योजना के तहत महिलाओं को मिलने वाला मासिक डॉयरेक्ट बैंक ट्रांसफर बढ़ाकर 3,000 रुपए कर दिया जाएगा और इसका लक्ष्य 40 लाख *लखपति दीदी* बनाना है। यह महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की प्रमुख पहल है। कांग्रेस ने असम के लिए अपने घोषणापत्र में, हर महिला के खाते में एक रकम का बिना किसी शर्त के बैंक ट्रांसफर करने और महिला उद्यमियों को 50,000 रुपए देने का वादा किया है। अब ऐसे में सवाल उठता है कि इन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

एक दिन में 51.5 लाख एलपीजी सिलेंडर किए गए डिलीवर : सरकार

नई दिल्ली (हि.स)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच सरकार ने शनिवार को कहा कि भारत की ईंधन आपूर्ति और समुद्री परिचालन समान्य है। केंद्र सरकार ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है। सरकार ने कहा कि कल 51.5 लाख से अधिक सिलेंडर वितरित किए गए हैं और 8.7 लाख भारतीय स्वदेश लौटे हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी सामान्य बनी हुई है, जबकि 10 अप्रैल को ही *51.5 लाख से ज्यादा घरेलू एलपीजी सिलेंडरों* की डिलीवरी की गई, जबकि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास के घटनाक्रमों के कारण सप्लाई चेन पर दबाव बना हुआ है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने बिना किसी रुकावट के सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें घरेलू एलपीजी और पीएनजी की सप्लाई को प्राथमिकता दी गई है, इसके साथ ही अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों को भी उच्च प्राथमिकता दी है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप्स पर स्टॉक खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है, जिससे पता चलता है कि पूरे देश में सप्लाई स्थिर है। मंत्रालय ने कहा कि पूरे उद्योग में ऑनलाइन एलपीजी की बुकिंग बढ़कर लगभग 98 फीसदी हो गई है, जबकि गैस के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) पर आधारित डिलीवरी बढ़कर लगभग 93 फीसदी हो गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि नागरिकों को पीएनजी और इलेक्ट्रिक या इंडक्शन कुकटॉप जैसे वैकल्पिक ईंधनों का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। देश के सभी रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल के भंडार के साथ उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं, जबकि पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा जा रहा है। घरेलू खपत को पूरा करने के लिए रिफाइनरियों से एलपीजी का घरेलू उत्पादन बढ़ाया गया है। मंत्रालय ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (ओएमसी) ने पिछले 8 दिनों में 5 किलो एफटीएल सिलेंडरों के लिए लगभग 2,900 जागरूकता शिविर आयोजित किए हैं। भारतीय ध्वज वाला एलपीजी पोत जग विक्रम लगभग 20,400 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर गया। खाड़ी क्षेत्र से 2,009 से अधिक भारतीय नाविक सुरक्षित रूप से स्वदेश लौट आए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटों में 81 नाविक वापस लौटे हैं। भारतीय दूतावास और पोस्ट भारतीय नागरिकों के लिए चौबीसों घंटे हेल्पलाइन और सक्रिय सहायता प्रदान कर रहे हैं।

पंजाब पुलिस ने करोड़ों की हेरोइन के साथ नाबालिग समेत तीन को दबोचा

बटाला (हिंस)। पंजाब के बटाला पुलिस ने 6.5 किलोग्राम हेरोइन, एक .30 कैलिबर पिस्तौल, छह जिंदा कारतूस और एक लाख रुपए की ड्रग मनी सहित एक नाबालिग समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर सीमा पार से संचालित नशीले पदार्थों और अवैध हथियारों के तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी शनिवार को पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान निशान सिंह निवासी मूलियांवाल (बटाला), रविपाल सिंह निवासी रायपुर और एक नाबालिग के रूप में हुई है। नशीले पदार्थ और ड्रग मनी की बरामदगी के अलावा पुलिस टीमों ने उनकी टोयोटा फॉर्च्यूनर कार भी जब्त कर ली है। यह सफलता 30 मार्च 2026 को बटाला के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में हुई जबरन वसूली से संबंधित फायरिंग की घटना में गिरफ्तार आरोपियों वंश और सुखचैन उर्फ जशन से लगातार पूछताछ और मामले की गहन जांच के बाद हासिल हुई है। उल्लेखनीय है कि उनके कब्जे से दो .30 बोर पिस्तौल बरामद किए गए थे।

बांग्लादेश से विस्थापित 331 हिंदू परिवारों को सीएम योगी ने वितरित किए भूमिधरी अधिकार पत्र

लखीमपुर खीरी (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बांग्लादेश से विस्थापित 331 हिंदू परिवारों को भूमिधरी अधिकार पत्र वितरित करते हुए कहा कि पापी पाकिस्तान और टुकड़ों में बंटने वाला है। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति का सबसे बड़ा दंश हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदायों ने झेला है। मुख्यमंत्री ने मियांपुर का नाम बदलकर *रविंद्र नगर* करने की घोषणा की और कहा कि अब किसी क्षेत्र की पहचान गुलामी के प्रतीकों से नहीं होगी। इस अवसर पर उन्होंने तीन विधानसभा क्षेत्रों की 417 करोड़ रुपए की 213 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने बड़ी संख्या में लाभार्थियों को चेक भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज लखीमपुर खीरी जनपद में लगभग सात हजार परिवारों यानी लगभग 35 हजार लोगों को भौमिक अधिकार प्रदान किए गए हैं। पलिया के बाद अब मोहम्मदी में भी एक हजार परिवारों को यह अधिकार उपलब्ध कराया जा रहा है। यह योजना बांग्लादेश से 1947 और 1971 में आए परिवारों को उनका अधिकार देने की है। पापी पाकिस्तान ने अपने कर्मों से भारत का विभाजन कराया, फिर पाकिस्तान के भी टुकड़े हुए। इंतजार करिए, अभी यह और टुकड़ों में बंटने वाला है, लेकिन पाकिस्तान के पापों की सजा वहां रह रहे हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, जैनियों, पारसियों और ईसाइयों को मिली, क्योंकि उनके यहां किसी अन्य धर्म के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश ने इन लोगों को ठुकराया और उनकी जमीन व पैतृक संपत्ति पर कब्जा किया। लेकिन, त्रासदी के बाद यहां आने वालों को पूर्व सरकारो ने अधिकार नहीं दिया। उनके वोट तो लिए, लेकिन मालिकाना हक कभी नहीं दिया। बल्कि, उनकी पहचान छिपाने के लिए गांव का नाम मियांपुर रख दिया गया, जबकि वहां एक भी मियां नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब आपकी पहचान मियांपुर नहीं, बल्कि राष्ट्रगान के रचयिता गुरुदेव रविंद्रनाथ ठाकुर के नाम पर *रविंद्र नगर* के रूप में होगी। बंगाल की भूमि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की भूमि है। भारत को राष्ट्रगान गुरुदेव ने दिया और राष्ट्रगीत *वंदे मातरम्* के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय हैं।

होर्मुज खुलने में होगी देरी, ईरान को नहीं मिल रहीं अपनी ही बिछाई समुद्री माइंस

तेहरान। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलने में देरी हो रही है और इसकी बड़ी वजह यह बताई जा रही है कि ईरान खुद अपने लगाए सी माइंस ढूंढ नहीं पा रहा है। उन्हें हटाना भी उसके लिए मुश्किल हो रहा है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ईरान के पास इन माइंस को ट्रैक करने और साफ करने की सीमित क्षमता है, इसलिए वह अमेरिका की चेतावनियों के बावजूद इस रास्ते को खोल नहीं पा रहा है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब जेडी वेंस शांति वार्ता के लिए इस्लामाबाद पहुंचे हैं। इस बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट सबसे बड़ा मुद्दा रहेगा। अमेरिका चाहता है कि ईरान इस समुद्री रास्ते को तुरंत खोल दे। डोनाल्ड ट्रंप ने भी इसे युद्ध खत्म करने की अहम शर्त बताया है। दूसरी तरफ, ईरान इस समुद्री रास्ते पर नियंत्रण चाहता है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने इस इलाके में जमीन और समुद्र दोनों जगह माइंस बिछाई थीं, ताकि अमेरिका और खाड़ी देशों पर दबाव बनाया जा सके और अपने ऊपर हो रहे हमलों को रोका जा सके। यह जलमार्ग बहुत अहम है, क्योंकि इसी रास्ते से खाड़ी देशों का तेल दुनिया भर में पहुंचता है। माइंस, ड्रोन और मिसाइल हमलों के खतरे की वजह से यह रास्ता एक महीने से ज्यादा समय से बंद है। जहाज यहां से गुजरने से डर रहे हैं। इसका असर भारत समेत कई देशों पर पड़ा है, जहां ऊर्जा संकट की स्थिति बन गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान ने माइंस को ठीक तरीके से नहीं लगाया और हो सकता है कि उसे उनकी सही जगह भी याद न हो।

मणिपुर : भारी मात्रा में हथियारों के साथ 1800 किलो पोस्ता दाना बरामद

नई दिल्ली। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चुराचांदपुर जिले से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से हथियारों के साथ 36 बोरे पोस्ता दाना (करीब 1800 किलो) और दो वाहन बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, बरामद हथियारों में एक माडिफाइड कार्बाइन और एक नौ एमएम पिस्टल शामिल है। इसी के साथ चंदेल जिले के जंगल में चलाए गए एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की।

पृष्ठ एक का शेष

ईरान-अमेरिका सीजफायर...

डेलीगेशन के साथ भी मीटिंग की। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि डेलीगेशन ने शरीफ को बताया था कि वे अपने कई प्रस्तावों पर दोबारा जोर दे रहे हैं। बातचीत का मकसद एक नाजुक सीजफायर को पक्का करना है, जिससे लड़ाई को हमेशा के लिए खत्म करने का रास्ता साफ हो सके। पाकिस्तान के लिए निकलने से पहले, वेंस ने ईरान को चेतावनी दी कि वह अमेरिका के साथ *खेल* न करे। कुछ घंटे पहले, ट्रंप ने वैंस को गुड लक कहा और कहा कि हमें पता चल जाएगा कि क्या हो रहा है। वे मिलिट्री तौर पर हार गए हैं। उन्होंने दिन में पहले अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर की गई बातों को दोहराया, जहां उन्होंने कहा था कि ईरान के पास शांति बातचीत में *कोई पत्ते नहीं* हैं, और आज वे सिर्फ बातचीत करने के लिए जिंदा हैं। इस बीच, इजराइल ने शनिवार सुबह लेबनान में हमले जारी रखे, जबकि ईरान ने सीजफायर बातचीत के लिए वहां लड़ाई रोकने की शर्त रखी थी। लेबनान की सरकारी न्यूज एजेंसी ने बताया कि शनिवार को इजराइली हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए। उसने दोपहर में हुए हमलों की कोई खबर नहीं दी। इस युद्ध में ईरान में कम से कम 3,000 लोग, लेबनान में 1,953, इजराइल में 23 और खाड़ी के अरब देशों में एक दर्जन से ज्यादा लोग मारे गए हैं। इसने फारस की खाड़ी को ग्लोबल इकॉनमी से काफी हद तक काट दिया है, जिससे एनर्जी की कीमतें आसमान छू रही हैं और इस इलाके के आधा दर्जन देशों में इंफ्रास्ट्रक्चर को लंबे समय तक नुकसान हुआ है।

ईरान असफल देश ...

भरोसा जताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य जल्द ही फिर से खुल सकता है, जो वैश्विक तेल सप्लाई के लिए बेहद अहम है। रिपोर्ट के मुताबिक, अभी अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत नहीं हो रही है। फिलहाल यह बातचीत पाकिस्तान के जरिए परोक्ष रूप से चल रही है। डोनल्ड ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है और जल्द ही यह साफ हो जाएगा कि ईरान इस प्रक्रिया को लेकर कितना गंभीर है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि दुनिया अब तेल सप्लाई के लिए अन्य विकल्पों की ओर भी देख रही है। ट्रंप ने साफ कहा कि अगर बातचीत सफल नहीं होती है तो अमेरिका *रीसेट* करने के लिए तैयार है। उनका कहना था कि हम तैयार हैं। इस बयान को ईरान के लिए एक चेतावनी के तौर पर भी देखा जा रहा है कि अगर बातचीत में प्रगति नहीं हुई तो अमेरिका सख्त कदम उठा सकता है।

अमेरिका पर विश्वास...

और जेरेड कुशनेर भी शामिल हैं। ईरान के उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ ने भी साफ कहा है कि समझौता इस बात पर निर्भर करेगा कि अमेरिका *अमेरिका फस्ट* नीति अपनाता है या *इजराइल फस्ट*। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरानी विमान को पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करते समय एड्ब्लूएसीएस और फाइटर जेट्स के साथ सुरक्षा दी गई, जो इस मिशन की संवेदनशीलता को दिखाता है। इस्लामाबाद की वार्ता में एक तरफ बातचीत है, तो दूसरी तरफ युद्ध की तैयारी का संकेत भी। ट्रिगर पर उंगली वाला बयान साफ करता है कि शांति की राह अभी भी बेहद नाजुक और अनिश्चित है। उधर इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान शांति वार्ता से पहले एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान को अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता थी, जिसके चलते उसने असाधारण कदम उठाए। बताया जा रहा है कि ईरान को पाकिस्तान में संभावित हवाई हमले या सुरक्षा खतरे का डर था। इसी वजह से उसने इस्लामाबाद जाने के लिए कई *डमी* विमान भेजे। इन विमानों का उद्देश्य असली प्रतिनिधिमंडल की पहचान छिपाना और संभावित खतरे को भ्रमित करना था। सूत्रों के मुताबिक, केवल एक विमान में असली ईरानी प्रतिनिधिमंडल सवार था, जबकि बाकी विमान सुरक्षा रणनीति का हिस्सा थे। इस कदम को एक *डिकॉय ऑपरेशन* के रूप में देखा जा रहा है, जिसका इस्तेमाल आमतौर पर हाई-रिस्क स्थितियों में किया जाता है। ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मोहम्मद बगेर गालिबफ कर रहे हैं। उनके साथ विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी इस महत्वपूर्ण वार्ता में शामिल हैं। यह पूरी घटना ऐसे समय सामने आई है जब पाकिस्तान खुद को इस शांति वार्ता का मेजबान और मध्यस्थ बता रहा है। लेकिन इस तरह की खबरों से उसकी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं, अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जे डी वेंस इस वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके साथ स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनेर भी मौजूद हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम दिखाता है कि ईरान इस वार्ता को लेकर कितना सतर्क और गंभीर है। साथ ही यह भी संकेत देता है कि क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति अभी भी बेहद नाजुक बनी हुई है।

सीएम डॉ. शर्मा ने बाबा ...

भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनाएगी और पार्टी को 90 से 100 सीटें मिलने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि असम में चुनाव लोकतंत्र के उत्सव की तरह मनाए जाते हैं, जहां लोग बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं और पूरा माहौल शांतिपूर्ण रहता है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने कहा कि हालिया विवाद में फोटो एडिटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल कर झूठे दस्तावेज तैयार किए गए हैं, जिन पर कानून अपना काम करेगा। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिकारियों के पास रही और पुलिस बल तैनात रहा। रींगस पुलिस और खाटू थाना पुलिस भी मुस्तैद रही। गौरतलब है कि असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए 9 अप्रेल को मतदान संपन्न हो चुका है और अब 4 मई को परिणाम घोषित होने हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री का खाटूश्यामजी पहुंचकर पूजा-अर्चना करना राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है। बता दें कि असम के सियासी इतिहास में पहली बार रिकॉर्ड वोटिंग हुई है। असम में इस बार 85.89 फीसदी मतदान हुआ है, जो पिछले चुनाव से करीब साढ़े तीन फीसदी ज्यादा है। असम के कुल 35 जिलों में से 26 जिलों में 80 फीसदी से ऊपर मतदान रहा।

होर्मुज से 90 प्रतिशत ...

था, लेकिन सक्रिय उपायों ने व्यापार पर न्यूनतम प्रभाव के साथ बंदरगाह संचालन को तेजी से सुनिश्चित किया। सर्वानंद सोनेवाल ने कहा कि हमने उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए तेजी से और समन्वित तरीके से काम किया। समीक्षा बैठक में कहा कि बंदरगाह संचालन की समीक्षा में यह पाया गया कि समय पर हस्तक्षेप से होर्मुज स्ट्रेट में व्यवधान के बीच 90 प्रतिशत कार्गो बैकलॉग साफ हुआ। उन्होंने कहा कि मंत्रालय के समय पर हस्तक्षेप और निरंतर निगरानी के कारण प्रमुख बंदरगाहों पर लगभग 90 प्रतिशत लंबित कार्गो को साफ कर दिया गया है, जिससे होर्मुज स्ट्रेट में भू-राजनीतिक व्यवधानों से प्रभावित संचालन में सामान्य स्थिति बहाल हो गई है। सर्वानंद सोनेवाल ने इन सबके बीच अधिकारियों को दिशानिर्देश दिया कि व्यापार में न्यूनतम व्यवधान हो और बदलते परिस्थितियों के मद्देनजर इस बात का खास ध्यान रखा जाए कि किसी भी तरह की मुनाफाखोरी कोई कर नहीं पाए। इसके साथ ही हितधारकों को राहत देने का निर्देश दिया गया। सोनोवाल ने इस बात पर जोर दिया कि मोदी सरकार की प्राथमिकता न केवल परिचालन की निरंतरता है, बल्कि निर्यातकों, आयातकों और लॉजिस्टिक्स से जुड़े हितधारकों के हितों की रक्षा करना भी है। केंद्रीय मंत्री ने सभी बंदरगाह प्राधिकरणों को निर्देश दिया कि मंत्रालय द्वारा घोषित वित्तीय राहत उपायों, जिनमें भूमि किराया माफी और रेफ्रिजरेटर शुल्क में छूट शामिल हैं। इनको बिना किसी देरी या प्रक्रियात्मक बाधाओं के सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाया जाए।

अतुल बोरा बोले...

90 सीटें मिलनी चाहिए। असम में 9 अप्रैल को ऐतिहासिक मतदान हुआ, आधिकारिक अनुमानों के अनुसार लगभग 85.38 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 2021 के 82.04 प्रतिशत के रिकॉर्ड को पार कर गया। एनडीए ने स्पष्ट सीट-बंटवारे की व्यवस्था के तहत चुनाव लड़ा: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लगभग 89 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, अगप ने मुख्य क्षेत्रीय सहयोगी के रूप में 26 सीटों पर चुनाव लड़ा और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने मुख्य रूप से बोड़ो प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में 11 सीटों पर चुनाव लड़ा। इस उच्च मतदान ने राजनीतिक विश्लेषकों के बीच बहस छेड़ दी है। कांग्रेस के गौरव गोगोई के नेतृत्व वाला विपक्ष इस अभूतपूर्व मतदान को बदलाव का आह्वान मानता है, जबकि अतुल बोरा और एनडीए नेता इसे विकास कार्यों से प्रेरित सत्ता समर्थक भावना के रूप में देखते हैं। मतदान समाप्त होने के बाद, राज्य 4 मई, 2026 को वोटों की गिनती का इंतजार कर रहा है, जब 722 उम्मीदवारों के परिणाम घोषित किए जाएंगे। असम के मुख्यमंत्री सरमा ने चुनाव को असम की संस्कृति, मूल्यों और भूमि की रक्षा का आंदोलन बताया। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल चुनाव लड़ना नहीं था, बल्कि इसे एक आंदोलन में बदलना था। आज पहली बार, हमारे लोग अभूतपूर्व संख्या में मतदान करने निकले हैं – कंधे से कंधा मिलाकर, मतदान में अपने विरोधियों के बराबर और उनसे भी आगे निकल गए हैं। कई मतदान केंद्रों पर भागीदारी 95 प्रतिशत से अधिक है। यह सामान्य बात नहीं है। यह ऐतिहासिक है। असम भाषा और जाति से ऊपर उठ खड़ा हुआ है। हमारे लोगों ने एक स्पष्ट संकल्प के साथ मतदान किया है – अपनी भूमि, अपनी पहचान और अपनी संस्कृति को अवैध घुसपैठ और जनसांख्यिकीय आक्रमण से बचाने के लिए।

राज्य के विभिन्न हिस्सों ...

कार्यक्रम का आयोजन किया। चूंकि 13 अप्रैल से 18 अप्रैल तक विद्यालय बंद रहेगा, इसलिए अवकाश से पहले ही छात्रों में जातीय चेतना और सांस्कृतिक जिम्मेदारी का भाव विकसित करने के लिए यह पहल की गई। विद्यालय परिसर सुबह से ही ढोल, पेपा और गगना की मधुर धुनों से गूंजता रहा। वर्तमान छात्रों के साथ-साथ पूर्व छात्र, शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक और स्थानीय लोग पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम में शामिल हुए और उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान एक जोड़ी द्वारा पारंपरिक हुसरी की प्रस्तुति दी गई, जिसमें ढोल- पेपा की गूंज के साथ बिहू नृत्य की मनमोहक झलक देखने को मिली। हुसरी बिहू नृत्य की एक विशेष शैली है, जो इस पर्व की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती है। विद्यालय का यह प्रयास न केवल छात्रों को असमिया लोक-संस्कृति से जोड़ रहा है, बल्कि नई पीढ़ी को बिहू के वास्तविक महत्व से परिचित कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना की है। उल्लेखनीय है कि असम के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही, रंगाली बिहू के मुख्य आयोजनों के लिए पंडालों का निर्माण भी तेजी से किया जा रहा है, जहां नृत्य, गीत और विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

मथुरा नाव हादसे में...

सिंह ने शनिवार दोपहर को रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम चैरिटेबल अस्पताल पहुंचकर यहां भर्ती घायलों का कुशलक्षेम जाना। उन्होंने चिकित्सकों को घायलों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रशासन ने नदी से निकाले गए 10 लोगों के शव को पंजाब भिजवा दिया है। जिलाधिकारी ने बताया कि शुक्रवार दोपहर लुधियाना से श्रद्धालुओं का जत्था वृंदावन के केशीघाट से यमुना के पार देवराहा बाबा की समाधि स्थल पर दर्शन के लिए जा रहा था। यमुना पर खोले गए पैंटून पुल को जोड़ने के दौरान तेज बहाव में पुल का पीपा मोटरबोट से टकरा गया और बोट पलट गई। उसमें सवार 37 से अधिक श्रद्धालु यमुना में डूबने लगे। आसपास मौजूद गोताखोरों ने 22 लोगों को बचा लिया और अन्य लोगों की खोजबीन शुरू कर दी। दस शव कल ही निकाल लिए गये थे और आज एक युवक का शव गोताखोरों ने खोज निकाला।

अब नोटिस नहीं, सीधे ...

प्रवक्ता पवन खेड़ा द्वारा असम के मुख्यमंत्री की पत्नी पर लगाए गए कई पासपोर्ट होने के आरोप पर एमसीसी का कोई नोटिस जारी नहीं किया गया। इन दोनों ही मामलों में एफआईआर दर्ज की गई। चूंकि आदर्श आचार संहिता के तहत अधिकांश उल्लंघन- जैसे सांप्रदायिक अपील, निजी हमले, अभद्र भाषा का इस्तेमाल, भ्रष्ट आचरण और मतदाताओं को डराना-धमकाना, पहले से ही आपराधिक कानूनों और *लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम* के दायरे में आते हैं, इसलिए अधिकारियों का कहना है कि गंभीर मामलों से निपटने के लिए उचित कानूनी प्रक्रिया का इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे चुनाव आयोग अपना पूरा ध्यान चुनाव के सुचारू संचालन पर केंद्रित कर पाता है। एक अधिकारी ने कहा कि जब कोई अपराध स्पष्ट रूप से साबित हो रहा हो, तो नोटिस जारी करने की लंबी प्रक्रिया में उलझने के बजाय स्थानीय अधिकारियों से सीधे एफआईआर दर्ज करवाने के लिए कहना ज्यादा समझदारी भरा कदम होता है। उन्होंने यह भी बताया कि चेतावनी या निंदा जैसे कदम अक्सर अपराधों को रोकने में नाकाम रहते हैं, और एक ही तरह के उल्लंघन बार-बार होते रहते हैं। अधिकारियों ने कहा कि विपक्षी नेताओं के खिलाफ एमसीसी नोटिस जारी करने पर अक्सर चुनाव आयोग पर पक्षपात करने के आरोप लगने लगते हैं। जहां एक ओर सत्ताधारी दल के नेता आमतौर पर अपनी बयानबाजी में ज्यादा संयम बरतते हैं, वहीं विपक्षी नेता अक्सर ज्यादा आक्रामक तेवर अपनाते हैं। इसके विपरीत, एफआईआर दर्ज करवाना एक उचित कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा होता है, जिससे चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोप लगने की गुंजाइश काफी कम हो जाती है। आचार संहिता सबसे पहले 1960 के विधानसभा चुनावों के दौरान केरल में लागू की गई थी, और 1991 में टी.एन. शेषन के कार्यकाल के दौरान इसे राष्ट्रीय स्तर पर और बेहतर बनाया गया; उसी साल हुए आम चुनावों से इसे और भी सख्ती से लागू किया जाने लगा।

बाइस देशों के प्रतिनिधियों ...

पैमाने और मतदाताओं के उत्साह को करीब से देखा। दो दिवसीय दौरे के दौरान प्रतिनिधियों ने प्रेषण और वितरण केंद्रों का निरीक्षण किया। मतदान दलों की आवाजाही और चुनाव सामग्री के प्रबंधन को समझा। उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों और राज्य पुलिस नोडल अधिकारियों के साथ बैठक भी की। प्रतिनिधियों ने 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की निगरानी के लिए स्थापित सीसीटीवी नियंत्रण कक्षों को पारदर्शिता का मजबूत आधार बताया। मतदान दिवस पर उन्होंने मॉक पोल प्रक्रिया और विभिन्न केंद्रों पर वास्तविक मतदान का अवलोकन किया। मतदान केंद्रों पर रैंप, व्हीलचेयर, स्वयंसेवक और शिशु देखभाल जैसी सुविधाओं की सराहना की गई। महिलाओं और दिव्यांगजनों द्वारा संचालित विशेष मतदान केंद्रों को भी सराहा गया। पुडुचेरी में ड्रोन निगरानी, उड़नदस्ता और रोबोट आधारित स्वागत व्यवस्था जैसे नवाचारों की प्रशंसा की गई। केरल में पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं के उत्साह को सराहा गया, जबकि असम में स्वास्थ्य जांच सुविधाओं की सराहना हुई। अल्बानिया, क्रोएशिया, फिजी, भूटान समेत कई देशों के प्रतिनिधियों ने भारत की चुनाव प्रणाली को निष्पक्ष और पारदर्शी बताते हुए कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर चुनाव प्रबंधन का मानक स्थापित कर रहा है।

कटिहार में भीषण ...

टक्कर मार चुका था। जैसे ही बस दातपुर मुसहरी चौक के पास पहुंची, सामने से आ रही पिकअप वैन से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पास से गुजर रही दो बाइक भी इसकी चपेट में आ गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीण और पुलिस तुरंत राहत-बचाव कार्य में जुट गए और घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। इलाके में मातम पसरा हुआ है और हर तरफ चीख-पुकार सुनाई दे रही है। मामले में कटिहार पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम कोढ़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत गेड़ाबाड़ी के समीप एक बस एवं पिकअप वाहन के बीच भीषण सड़क दुर्घटना घटित हुई, जिसमें अब तक 10 व्यक्तियों की दुखद मृत्यु हुई है। घटना की सूचना प्राप्त होते ही स्थानीय पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया गया। दुर्घटना में घायल लगभग 25 व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार के उपरांत बेहतर इलाज हेतु नजदीकी अस्पतालों में भेजा जा रहा है। घटनास्थल पर विधि-व्यवस्था पूर्णत: नियंत्रण में है तथा यातायात व्यवस्था को भी सुचारू किया जा रहा है। अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

बंगाल चुनाव-2026: कटवा...

दक्षिण बंगाल में प्रभाव रखने वाले मतुआ समुदाय का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भरोसा दिलाया कि भाजपा सरकार बनने पर सभी पात्र आवेदकों को शीघ्र नागरिकता दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि घुसपैठियों को अब अपना सामान बांध लेना चाहिए, भाजपा सरकार बनने पर उन्हें राज्य छोड़ना होगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में पश्चिम बंगाल में भय और असुरक्षा का वातावरण बना है। उन्होंने इसे *तृणमूल के* डर का शासन बताते हुए कहा कि यह चुनाव उस माहौल को समाप्त करने का अवसर है। भाजपा के एजेंडे को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्ता में आने पर तृणमूल सरकार के भ्रष्टाचार पर श्वेतपत्र जारी किया जाएगा और राजनीतिक हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आलू किसानों की समस्याओं का जिक्र करते हुए राज्य सरकार की नीतियों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। महिला मतदाताओं से विशेष अपील करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जहां महिलाओं की अधिक भागीदारी होती है, वहां भाजपा को मजबूत समर्थन मिलता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भाजपा सरकार बनने पर पहली कैबिनेट बैठक में *आयुष्मान भारत* योजना लागू की जाएगी और राज्य की मौजूदा योजनाओं को बंद नहीं किया जाएगा, बल्कि उनमें पारदर्शिता लाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में होगा, जबकि मतों की गिनती 4 मई को की जाएगी।

असम चुनाव : महिला ...

योजनाओं का लाभ किस पार्टी को मिलता है, ये तो चुनाव के नतीजों के बाद ही पता चलेगा। राष्ट्रीय स्तर पर बात करें तो, नरेंद्र मोदी सरकार ने 2029 के आम चुनावों के से ही विधियकाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। असम और पुडुचेरी में कुल वोटर टर्नआउट अब तक के सबसे ऊंचे स्तर क्रमश: 85.9 प्रतिशत और 89.9 प्रतिशत पर पहुंच गया, वहीं इन दोनों राज्यों में पुरुष वोटरों का टर्नआउट भी अब तक का सबसे ऊंचा रहा। हालांकि, केरल में 75.2 प्रतिशत पुरुष वोटर टर्नआउट, 1987 के विधानसभा चुनावों में राज्य में दर्ज किए गए अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 80.5 प्रतिशत से काफी कम था। इन राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में महिला वोटरों की भारी भागीदारी कोई नई बात नहीं है। पुडुचेरी में, 1964 से अब तक हुए कुल 30 लोकसभा और विधानसभा चुनावों में से 18 में महिलाओं का टर्नआउट पुरुषों के टर्नआउट से ज्यादा रहा है। केरल में, 1957 से अब तक राज्य में हुए 34 संसदीय/विधानसभा चुनावों में से नौ में महिलाओं की भागीदारी ज्यादा रही है। असम में महिलाओं का टर्नआउट पहली बार 2016 के विधानसभा चुनावों के दौरान पुरुषों के टर्नआउट से ज्यादा हुआ था। तब से, महिला वोटरों ने अपने पुरुष समकक्षों की तुलना में बेहतर भागीदारी दिखाई है। सिवाय 2019 के लोकसभा चुनावों के, जब महिलाओं और पुरुषों का टर्नआउट बिल्कुल बराबर था। इसका मतलब यह है कि इस पूर्वोत्तर राज्य में हुए 33 लोकसभा/विधानसभा चुनावों में से चार में महिलाओं के वोट डालने का प्रतिशत ज्यादा रहा है।

बिहार में सरकारी ...

दिया। अब राज्य के सरकारी डॉक्टर निजी क्लीनिक या अन्य स्थानों पर प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। यह निर्णय *सात निश्चय-3* योजना के तहत लिया गया है, जिसके अंतर्गत एलोपैथी चिकित्सा पद्धति में कार्यरत बिहार स्वास्थ्य सेवा संवर्ग, बिहार चिकित्सा सेवा संवर्ग तथा इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान के चिकित्सा सेवा संवर्ग के डॉक्टरों और मेडिकल शिक्षकों पर यह प्रतिबंध लागू होगा। बिहार सरकार का मानना है कि निजी प्रैक्टिस के कारण कई बार डॉक्टरों का ध्यान बंट जाता है, जिससे सरकारी अस्पतालों में मरीजों को समय पर और समुचित इलाज नहीं मिल पाता। इस रोक के बाद डॉक्टरों की अस्पतालों में उपस्थिति बढ़ेगी और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आने की उम्मीद है। सरकार ने यह भी स्वीकार किया है कि इस फैसले से डॉक्टरों की आय प्रभावित हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए उन्हें गैर-अभ्यास भत्ता (नॉन-प्रैक्टिसिंग अलाउंस) (एनपीए) या अन्य प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया गया है। इसके लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जल्द जारी किए जाएंगे।

भारत के लोकतंत्र का उत्सव : ईआईवीपी 2026 में असम चुनाव पर दुनिया की नजर

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा चुनाव 2026 ने वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है। चुनाव आयोग के इंटरनेशनल इलेक्शन विजिटर्स प्रोग्राम (ईआईवीपी) 2026 के तहत सात देशों-अंगोला, बेनिन, क्रोएशिया, मिस्र, मैक्सिको, पुर्तगाल और श्रीलंका-के 12 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भारत की चुनावी प्रक्रिया की व्यापकता, सटीकता और जीवंतता को प्रत्यक्ष रूप से देखा। प्रतिनिधियों ने इस अनुभव को *लोकतंत्र का सच्चा उत्सव* बताया और रिकॉर्ड मतदान, सूक्ष्म योजना तथा शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान प्रक्रिया की सराहना की। उन्होंने मतदान दलों और चुनाव सामग्री के सुव्यवस्थित आवागमन के लिए स्थापित लॉजिस्टिक्स और मानक संचालन प्रक्रियाओं का भी अवलोकन किया। 8 और 9 अप्रैल को असम के दो दिवसीय दौरे के दौरान प्रतिनिधियों ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी और राज्य पुलिस नोडल अधिकारी से मुलाकात कर चुनाव संचालन और सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। साथ ही, उन्होंने सीईओ कार्यालय में स्थापित सीसीटीवी कंट्रोल रूम का दौरा किया, जहां शत् प्रतिशत वेबकास्टिंग के जरिए मतदान केंद्रों की निगरानी की जा रही थी, जिसे उन्होंने पारदर्शिता का मजबूत आधार बताया। कामरूप और कामरूप (मेट्रो) जिलों के विभिन्न मतदान केंद्रों पर प्रतिनिधियों ने मॉक पोल और वास्तविक मतदान प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर रैंप, व्हीलचेयर, स्वयंसेवक, क्रेच सुविधाएं तथा महिलाओं और दिव्यांगजनों द्वारा संचालित विशेष मतदान केंद्रों जैसी समावेशी व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। क्रोएशिया के ब्रानिमिर फार्कस ने मतदाताओं के उत्साह की सराहना करते हुए भारतीय चुनाव को *पूरी दुनिया के लिए लोकतंत्र का उत्सव* बताया। वहीं, पुर्तगाल के डॉ. मिगुएल जोसस फरेरा दा सिल्वा ने शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के साथ मजबूत लॉजिस्टिक व्यवस्था की सराहना की। प्रतिनिधियों ने जिला स्तरीय मीडिया मॉनिटरिंग केंद्रों का भी दौरा किया और मतदान केंद्रों पर पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लेकर पर्यावरण अनुकूल पहल की सराहना की। बेनिन के एरिक जीन-मैरी जिंसौ ने प्रत्येक चरण में सुव्यवस्थित प्रक्रिया और प्रशिक्षित कर्मियों की प्रशंसा की। प्रतिनिधियों ने मतदान केंद्रों पर स्वास्थ्य जांच सुविधाओं का भी लाभ उठाया और मतदाताओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए की गई व्यवस्थाओं को सराहा। सुचारू मतदान और उच्च मतदाता भागीदारी से प्रभावित प्रतिनिधियों ने चुनाव आयोग, मुख्य निर्वाचन अधिकारी और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत विश्व स्तर पर चुनाव संचालन के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है और वास्तव में यह लोकतंत्र का एक भव्य उत्सव है।

श्रीभूमि जिले के मतदान केंद्र पर शांतिपूर्ण पुनर्मतदान संपन्न

श्रीभूमि (हिंस)। असम विधानसभा चुनाव 2026 के तहत श्रीभूमि जिले के 123 उत्तर करीमगंज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 239, बेबीलैंड हाई इंग्लिश स्कूल में शनिवार को पुनर्मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मतदान प्रक्रिया सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक चली, जिसमें कुल 61.77 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उल्लेखनीय है कि पूर्व में कुछ असामाजिक तत्वों ने उक्त मतदान केंद्र में अवैध रूप से प्रवेश कर ईवीएम पर कब्जा कर लिया था और कई वोट अवैध रूप से डाले थे, जिससे मतदान प्रक्रिया बाधित हुई थी। इस घटना की जानकारी निर्वाचन आयोग को मिलने पर आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 58 के तहत पुनर्मतदान का आदेश जारी किया था। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने पुनर्मतदान के शांतिपूर्ण संचालन के लिए मतदाताओं और संबंधित सभी पक्षों के प्रति आभार व्यक्त किया। असम विधानसभा चुनाव 2026 में राज्य का कुल मतदान प्रतिशत 85.96 रहा। वहीं, 1,19,463 मतदाताओं ने डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान किया, जिनमें 83,459 चुनाव ड्यूटी में तैनात कर्मी, 85 वर्ष से अधिक आयु के 26,696 वरिष्ठ नागरिक, 8,614 दिव्यांग मतदाता तथा आवश्यक सेवाओं में लगे 694 मतदाता शामिल हैं।

असम के राइदांग चाय बागान में बाघ का आतंक एक श्रमिक घायल

तिनसुकिया (हिंस)। दुमदुमा के राइदांग चाय बागान में बाघ के प्रवेश से इलाके में दहशत फैल गई है। बाघ की मौजूदगी के कारण श्रमिकों और स्थानीय लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। सूत्रों के अनुसार, बाघ के हमले में एक चाय बागान श्रमिक घायल हो गया। घायल श्रमिक को तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है। बाघ को वापस जंगल की ओर खदेड़ने के लिए अभियान चलाया जा रहा है और इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है, ताकि आगे किसी प्रकार की घटना न हो।

सिलचर में 1.08 करोड़ रुपए की हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। मादक पदार्थों की तस्करी के संबंध में विश्वसनीय सूचना के आधार पर शनिवार सुबह कछार जिला मुख्यालय सिलचर के बरिकनगर पार्ट-2 के पास एक अभियान चलाया गया, जिसमें दो कथित तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जुबेद अहमद लस्कर, निवासी दक्षिण मोहनपुर, सोनाई तथा बुरहान उद्दीन, निवासी धोलाई मोलाई पार्ट-1, काटलीछड़ा, जिला हैलाकांदी के रूप में हुई है। दोनों मोटरसाइकिल से सिलचर की ओर आ रहे थे, तभी उन्हें पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 19 साबुनदानी में छिपाकर रखी गई कुल 216 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई। इसके अलावा दो मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल (एएस-24ई-9884) और 500 रुपए नकद भी जब्त किए गए। अधिकारियों ने बताया कि बरामद सभी सामान को एनडीपीएस अधिनियम के तहत विधिसम्मत तरीके से जब्त किया गया है। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 1.08 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

डिब्रूगढ़ के चाउलखोवा में मवेशी चोरों के बीच झड़प, कई घायल

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ जिले के चाउलखोवा इलाके में कथित मवेशी चोरों के दो गुटों के बीच हिंसक झड़प होने की खबर है, जिसमें कई लोग घायल हो गए तथा वाहनों को नुकसान पहुंचा। सूत्रों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच विवाद उस समय बढ़ गया जब एक गुट ने दूसरे गुट पर पेट्रोल बम फेंक दिए। इस अचानक हमले से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। घटना में कई लोग घायल हुए हैं, जबकि कई वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है। बाद में स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया। मामले की विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

अरुणाचल प्रदेश सरकार ने मेजर रालेंगनाओ खथिंग पर नाटक *तवांग में तिरंगा* के राज्यव्यापी दौरे की योजना बनाई

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल केटी परनायक और मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने तवांग मेंनाट्य प्रस्तुति *तिरंगा इन तवांग*, यह नाटक मोनपा आर्टिस्ट फोरम द्वारा प्रस्तुत और त्सापा नोरबू द्वारा निर्देशित है। यह नाटक रालेंगनाओ खाथिंग, जिन्हें मेजर *बेथुक* खाथिंग के नाम से भी जाना जाता है, के नेतृत्व में ऐतिहासिक अभियान को दर्शाता है, जिसके अभियान के परिणामस्वरूप तवांग का भारत में विलय हुआ और 14 फरवरी, 1951 को राष्ट्रीय तिरंगा फहराने के साथ यह अभियान अपने चरम पर पहुंचा। राज्यपाल ने कलाकारों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने क्षेत्र को सुरक्षित करने में भूमिका निभाने वाले कम ज्ञात नायकों की बहादुरी और बलिदान को सशक्त रूप से जीवंत कर दिया। उन्होंने मेजर खाथिंग को पूर्वोत्तर भारत की एक विशिष्ट हस्ती बताया और अरुणाचल प्रदेश के शांति, विविधता में एकता और देशभक्ति के दीर्घकालिक मूल्यों पर प्रकाश डाला, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि इन्होंने राज्य को उग्रवाद से मुक्त रखने में मदद की है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने घोषणा की कि भारत के क्षेत्रीय इतिहास के इस महत्वपूर्ण अध्याय को उजागर करने के लिए नाटक को राज्य और देश के अन्य हिस्सों में भी प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने शिमला सम्मेलन का भी जिक्र करते हुए दोहराया कि तवांग ऐतिहासिक रूप से भारत का अभिन्न अंग रहा है। गुरुवार को आयोजित इस कार्यक्रम में तवांग शहर भर से रंगमंच प्रेमियों, आमंत्रित अतिथियों और स्कूली बच्चों सहित बड़ी संख्या में दर्शक आए, जिन्होंने क्षेत्र की देशभक्तिपूर्ण विरासत और सांस्कृतिक धरोहर का जश्न मनाया।

एजेपी उम्मीदवार कुंकी चौधरी को पानबाजार थाने का समन

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के पानबाजार थाने की पुलिस ने असम जातीय परिषद (एजेपी) की उम्मीदवार कुंकी चौधरी को समन जारी कर रविवार को थाने में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। मध्य गुवाहाटी से चुनाव लड़ रही कुंकी चौधरी को कथित तौर पर चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उनके खिलाफ चुनावी नियमों के उल्लंघन को लेकर शिकायत दर्ज की गई है। हालांकि, आरोपों की विस्तृत जानकारी अभी तक आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। इस घटना को लेकर पार्टी में व्यापक प्रतिक्रिया देखी जा रही है और मामले पर नजर बनी हुई है। पुलिस की जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

होटल में धन उगाही के आरोप में फर्जी पत्रकार सहित तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी पुलिस ने बोरागांव क्षेत्र के एक होटल में धन उगाही करने के आरोप में एक फर्जी पत्रकार और एक संगठन के नेता समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया है कि तीनों आरोपित होटल से पैसे की मांग करने पहुंचे थे। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर मौके पर ही उन्हें पकड़ लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने इससे पहले भी उसी होटल से दो किस्तों में 20 हजार रुपए वसूल किए थे। पुलिस को संदेह है कि यह गिरोह इस तरह की गतिविधियों में पहले से शामिल रहा है। मामले की जांच जारी है।

ससल में रंगाली बिहू उत्सव की तैयारी शुरू

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के ससल क्षेत्र में रंगाली बिहू उत्सव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। *नतुन ससल सांस्कृतिक गोष्ठी* के तत्वावधान में 14 और 15 अप्रैल को दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उत्सव के सफल संचालन के लिए 101 सदस्यों की एक कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया है। इसमें तृषा देवी को अध्यक्ष, अंजन बरकटकी को उपाध्यक्ष, जितुल रॉय को महासचिव, भास्करजित तहबिलदार को कोषाध्यक्ष तथा दिगंत बैश्य को सांस्कृतिक सचिव बनाया गया है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य असमिया संस्कृति को बढ़ावा देना और स्थानीय युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करना है। उत्सव की तैयारियों की औपचारिक शुरुआत *शुक्रवार* को पारंपरिक *लाइखुटा* स्थापन के साथ हुई, जिसमें वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक अनुष्ठान संपन्न हुए। प्रसिद्ध गायिका तृष्णा देवी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उत्सव के पूर्व आयोजित 10 दिवसीय बिहू नृत्य कार्यशाला में 50 से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जिन्हें विशेषज्ञ जॉनमोनी बोरा, अजय रॉय और बिहू सम्राज्ञी गायत्री कोंवर ने प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला का समापन भव्य प्रस्तुतियों के साथ हुआ। आगामी बिहू उत्सव में पारंपरिक खेल, लोक नृत्य और संगीत कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लोकप्रिय कलाकार भूमि कौशिक और अदिति तासा प्रस्तुति देंगी। इसके अलावा आधुनिक नृत्य और लोक नृत्य प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी, जिनमें विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। आयोजकों ने लोगों से अधिक संख्या में भाग लेकर इस उत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

गुवाहाटी में युवक का शव बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में शनिवार को एक युवक का शव रहस्यमय परिस्थितियों में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव शहर के भांगागढ़ स्थित रुद्राक्ष मॉल के पिछले हिस्से से बरामद किया गया। मृतक की पहचान बाहरी क्षेत्र सोनपुर निवासी सिद्धांत दास के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक के मॉल की सातवीं मंजिल से गिरने की आशंका जताई जा रही है, जिसके चलते उसकी मौत हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया गया है। साथ ही मामले की जांच तेज कर दी गई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है, ताकि घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

जुबीन गर्ग मौत मामले में श्यामकानु महंत ने दाखिल की जमानत याचिका, 22 अप्रैल को सुनवाई

गुवाहाटी (हिंस)। असम के सांस्कृतिक प्रतीक जुबीन गर्ग की मृत्यु से जुड़े मामले में मुख्य आरोपित श्यामकानु महंत ने एक बार फिर जमानत के लिए अदालत का रुख किया है। यह नई जमानत याचिका आज विशेष सत्र फास्ट ट्रैक अदालत में दायर की गई। बचाव पक्ष ने 13 अप्रैल को शीघ्र सुनवाई की मांग की थी, लेकिन अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए 22 अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। विशेष लोक अभियोजक जियाउर कुमार ने बताया कि अभियोजन पक्ष जमानत याचिका का विरोध करेगा। उन्होंने कहा कि बचाव पक्ष की ओर से जल्द सुनवाई की मांग की गई थी, लेकिन अदालत ने 22 अप्रैल की तारीख तय की। उल्लेखनीय है कि महंत इससे पहले भी जमानत के लिए आवेदन कर चुके थे, जिसे बाद में वापस ले लिया गया था। यह नया आवेदन ऐसे समय में दायर किया गया है जब मामले की सुनवाई तेज गति से दिन-प्रतिदिन के आधार पर चल रही है। इससे पहले 1 अप्रैल को असम के महाधिवक्ता देवजीत सैकिया ने कहा था कि जांच और सुनवाई सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है तथा मामला एक महत्वपूर्ण चरण में पहुंच चुका है, जिसमें डिस्चार्ज याचिकाओं पर बहस शामिल है। मामले की संवेदनशीलता और जनमहत्व को देखते हुए अदालत ने इसे फास्ट ट्रैक प्रक्रिया के तहत लिया है। मृतक के परिजनों ने समयबद्ध न्याय की उम्मीद जताई है, वहीं राज्य सरकार ने निष्पक्ष और शीघ्र सुनवाई सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

होजाई : ज्येष्ठ नागरिक सम्मेलन का 24वां स्थापना दिवस संपन्न

होजाई। असम ज्येष्ठ नागरिक सम्मेलन का 24वां स्थापना दिवस 10 अप्रैल को होजाई जिले के ज्येष्ठ नागरिकों ने धूमधाम से मनाया। इस दिन सुबह 9 बजे सम्मेलन का ध्वज फहराने और श्रद्धांजलि अर्पण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। दोपहर 3 बजे से होजाई साहित्य सभा भवन में होजाई सदर ज्येष्ठ नागरिक सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेंद्र नाथ डेका की अध्यक्षता में आयोजित उद्घाटन सभा को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता, असम ज्येष्ठ नागरिक सम्मेलन के प्रचार एवं जनसंपर्क सचिव संपादक अनुप कुमार बरठाकुर ने कहा कि वर्तमान समय में ज्येष्ठ नागरिकों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए तरसना पड़ रहा है, जो देश के लिए लज्जाजनक है। जीवन के अधिकांश समय देश की प्रगति, शिक्षा, कृषि, उद्योग के क्षेत्र में योगदान देने के साथ-साथ सामाजिक-सांस्कृतिक विकास में भी कार्य करने के बाद जीवन के उत्तरार्ध में अपनी मामूली जरूरतों को पूरा करने के लिए दूसरों का मुंह ताकना पड़ता है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले इन ज्येष्ठ जनों को सरकार द्वारा मात्र 400 रुपए की सहायता प्रदान करना ज्येष्ठों के प्रति सरकार की उपेक्षा और लापरवाही का चरम उदाहरण है, ऐसा उन्होंने कहा। वक्ताओं ने पूर्व में ज्येष्ठ नागरिकों को यात्रा में दी जाने वाली छूट की व्यवस्था को भी अब समाप्त कर ज्येष्ठों के प्रति उपेक्षा का भाव प्रकट किया। चिकित्सा के क्षेत्र में भी सरकार की कोई ठोस पहल न होने से उसकी आंतरिकता की कमी स्पष्ट झलक रही है। श्री बरठाकुर ने आदर्श एवं सुसंस्कृत समाज निर्माण में ज्येष्ठों की पर्याप्त भूमिका होने का उल्लेख करते हुए 60 वर्ष के बाद आने वाली मृत्यु की प्रतीक्षा न कर जीवन को उज्ज्वल बनाने के लिए आगे बढ़ने का आह्वान किया। सभा में स्थानीय अशितिपुर समाज संगठक, अवकाश प्राप्त शिक्षक डंबरुधर बराक को होजाई सदर ज्येष्ठ नागरिक सम्मेलन की ओर से शाल, जापी, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। एक अन्य कार्यक्रम में होजाई ज्येष्ठ नागरिक सम्मेलन के एक सक्रिय सदस्य, सु-लेखक कुशेश्वर मुदई के तीन पुस्तकों का विमोचन किया गया। लेखक की *गुरु रत्नाकर* पुस्तक का विमोचन मुख्य वक्ता अनुप कुमार बरठाकुर ने किया। *जम्बुद्वीप के मानिस* पुस्तक का विमोचन लेखक डॉ. शमशुल हक ने तथा *पुण्यभूमि असम* नामक पुस्तक का विमोचन होजाई सदर ज्येष्ठ नागरिक सम्मेलन के कार्यकारी अध्यक्ष दयाल चंद्र क्रो ने किया।

पुरबी डेयरी ने वित्त वर्ष 26 में 400 करोड़ का टर्नओवर पार किया; किसानों का नेटवर्क बढ़कर 58,000 हुआ

गुवाहाटी। शनिवार को पुरबी डेयरी में सालाना प्री-रोंगाली बिहू समारोह में कर्मचारी और मीडिया के सदस्य डेयरी परिसर में एक साथ आए, जहां कोऑपरेटिव ने अपनी विकास यात्रा में एक अहम मील का पत्थर भी हासिल किया। इस मौके पर, पुरबी डेयरी ने बताया कि उसने वित्त वर्ष 2025-26 में 400 करोड़ का सालाना टर्नओवर पार कर लिया है। कोऑपरेटिव का विस्तार उसके बढ़ते किसान आधार से लगातार आगे बढ़ रहा है, जिसमें अब पूरे असम में 58,000 से ज्यादा डेयरी किसान शामिल हैं। दूध की औसत खरीद बढ़कर 1.6 लाख लीटर प्रतिदिन हो गई है, और पीक खरीद 2 लाख लीटर प्रतिदिन को पार कर गई है, जो किसानों की बढ़ती भागीदारी और ग्रामीण डेयरी इकोसिस्टम के मजबूत होने, दोनों को दिखाता है। इस विकास के साथ-साथ, वित्त वर्ष के दौरान 900 से ज्यादा नई डेयरी कोऑपरेटिव सोसाइटी बनाई गईं, जिससे पुरबी डेयरी नेटवर्क के तहत सोसाइटी की कुल संख्या बढ़कर 1,600 से ज्यादा हो गई। खरीद में मदद करने और गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने के लिए, 11 नए बल्क मिल्क कूलिंग सेंटर स्थापित किए गए, जिससे ऐसी सुविधाओं की कुल संख्या बढ़कर 59 हो गई। पुरबी डेयरी ने वित्त वर्ष 2024-25 के 306 करोड़ के मुकाबले टर्नओवर में 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की। इस विकास को दूध और वैल्यू-एडेड उत्पाद, दोनों ही सेगमेंट में संतुलित विस्तार के साथ-साथ नए बाजारों में प्रवेश से भी मदद मिली। नॉर्थ ईस्ट डेयरी एंड फूड्स लिमिटेड, जो पुरबी डेयरी के उत्पादों की मार्केटिंग करती है, ने उत्पादों की मात्रा (दूध के बराबर आधार पर) में 48 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की, जबकि पाउच दूध की मात्रा में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वैल्यू-एडेड उत्पादों ने गति बनाए रखी। दही की मात्रा में 49त्र की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसे 1 किलोग्राम पाउच दही और पाउच में मीठा दही जैसे नए स्टॉक कीपिंग यूनिट्स की शुरुआत से मदद मिली। पनीर में 48 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि घी में 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। क्रीम में 12 प्रतिशत और लस्सी में 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। आइसक्रीम, फ्लेवर्ड दूध और *पुरबी स्मार्ट यूएचटी टेट्रा पैक दूध* जैसी नई कैटेगरीज की शुरुआत ने पुरबी के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को और मजबूत किया और इसकी कुल ग्रोथ में योगदान दिया। भौगोलिक रूप से, पुरबी ने बराक घाटी जैसे नए बाजारों में अपना विस्तार किया, और साथ ही पूर्वी असम में भी अपनी मौजूदगी को मजबूत किया। सिलचर में रोजाना 20,000 लीटर दूध प्रोसेस करने की क्षमता वाला एक नया प्लांट शुरू किया गया, जिससे इस इलाके में सप्लाई चेन की कार्यक्षमता में सुधार हुआ। पुरबी डेयरी अब तीन प्रोसेसिंग प्लांट चलाती है-गुवाहाटी के पंजाबाड़ी में रोजाना 1.5 लाख लीटर दूध प्रोसेस करने की क्षमता वाला प्लांट, धेमाजी में रोजाना 10,000 लीटर दूध प्रोसेस करने वाला प्लांट, और सिलचर में रोजाना 20,000 लीटर दूध प्रोसेस करने की क्षमता वाला प्लांट। वामूल के मैनेजिंग डायरेक्टर समीर कुमार परिदा ने कहा कि इस साल पुरबी डेयरी की ग्रोथ हमारे कोऑपरेटिव मॉडल की मजबूती और 58,000 से ज्यादा किसानों के भरोसे को दिखाती है, जो इस सफर का हिस्सा हैं। जैसा कि हम रोंगाली बिहू मना रहे हैं-एक ऐसा त्योहार जो असम में नई शुरुआत और खुशहाली का प्रतीक है-यह उपलब्धि किसानों के लिए रोजगार के टिकाऊ साधन बनाने और साथ ही ग्राहकों तक अच्छी क्वालिटी के डेयरी प्रोडक्ट पहुंचाने के हमारे वादे को और मजबूत करती है। बाजार की ग्रोथ और ग्राहकों के रुझानों पर टिप्पणी करते हुए, एनईडीएफएल के मैनेजिंग डायरेक्टर सत्य ब्रत बोस ने कहा कि वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट और नई कैटेगरीज का जबरदस्त प्रदर्शन ग्राहकों की बदलती मांग और इनोवेशन के साथ जवाब

अनमोल वचन

अहसास के साथ आप जो कुछ भी यकीन करते हैं वही आपकी हकीकत बन जाती है।
ब्रायन ट्रेसी

समझदार होने की असली निशानी ज्ञान नहीं है बल्कि कल्पना करने की आपकी सकती है।
अल्बर्ट आइंस्टीन

सम्पादकीय

सीज फायर हवा-हवा, अमेरिका और इजरायल का अहंकार चूर-चूर

अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया था। अभी तक ईरान को लेकर जो साजिश इजरायल और अमेरिका ने रची थी, उसमें से कोई भी साजिश कामयाब नहीं हो पाई है। जिस तरह से ईरान पर हमला करके धर्मगुरु अयातुल्लाह खामेनेई और ईरान के प्रथम पंक्ति के नेताओं की इजरायल द्वारा हत्या की गई, स्कूल में मिसाइल दागकर 180 से ज्यादा बच्चियों की हत्या की गई, इसके बाद ईरान एकजुट हुआ। अपने धर्म गुरु की हत्या को शहादत मानते हुए संपूर्ण ईरान ने एकजुटता का परिचय दिया है। जिस तरह से कर्बला की जंग का इतिहास है लगभग उसी तरह से ईरान अब इस लड़ाई को लड़ रहा है। अमेरिका ने चीन और पाकिस्तान के माध्यम से एक बार फिर ईरान को वार्ता के लिए आमंत्रित करते हुए 15 दिन का सीजफायर दोनों ने स्वीकार किया था, लेकिन इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू नहीं चाहते हैं कि अमेरिका युद्ध से बाहर हो। इजरायल ने लेबनान पर हमला किया, लेबनान ने जवाबी हमला किया। इसके बाद ईरान को भी इस कार्रवाई पर हस्तक्षेप करना पड़ रहा है, जिसके कारण यह युद्धविराम हवा-हवाई की तरह है। युद्ध विराम चलेगा या नहीं इसको लेकर भी तरह-तरह की आशंका जताई जाने लगी हैं। अमेरिका द्वारा ईरान के ऊपर जो हमला किया गया है वह पूरी तरह से अंतर्राष्ट्रीय नियम और कानून के अनुसार अवैध है। इजरायल और अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय कानून से ऊपर होकर पिछले कई वर्षों से फिलिस्तीन और गाजा पट्टी पर कहर बरपा रहे थे। नेतन्याहू और ट्रंप अपने आप को भगवान से भी ऊपर मानते हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री पिछले 20 वर्षों से ग्रेटर इजरायल का सपना दिखाकर सत्ता में बने हुए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नेतन्याहू के चुनाव जीतने और सत्ता में बने रहने के लिए यही फार्मूला अमेरिका में अपनाया। ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के लिए अपना आदर्श भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को मानते हैं। उन्होंने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के लिए दक्षिणपंथी विचारधारा को अमेरिका में बढ़ाने का काम किया। उन्हें सफलता भी मिली। वह दूसरी बार राष्ट्रपति बन गए। उसके बाद उन्हें ऐसा लगा कि अमेरिका सारी दुनिया में नेतृत्व करता है। ऐसी स्थिति में वह जो चाहे कर सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के कानून का उल्लंघन करते हुए यह हमला किया है। उन्होंने अमेरिकी संसद (कांग्रेस) से इसकी अनुमति नहीं ली। अमेरिकी संविधान के अनुच्छेद 2 (4) का उल्लंघन किया। विश्व युद्ध के बाद जो अंतर्राष्ट्रीय कानून बने उनका भी इस युद्ध में इजरायल और अमेरिका ने मिलकर उल्लंघन किया है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूएन के अनुच्छेद 52 का उल्लंघन किया गया है। युद्ध में नागरिकों को निशाना नहीं बनाया जा सकता है। युद्ध के दौरान अस्पताल और चिकित्साकर्मियों के ऊपर किसी तरह का हमला नहीं हो सकता है। इसके बाद भी अमेरिका और इजरायल ने मिलकर जिस तरह की तबाही फिलिस्तीन, गाजा पट्टी, लेबनान और ईरान में मचाई है उसको देखते हुए यही कहा जा सकता है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह भ्रम हो गया था कि वह दुनिया को अपनी मुट्ठी में कर सकते हैं। वह जो चाहेंगे वही करेंगे। दुनिया के सभी देशों से पहले उन्होंने टैरिफ को लेकर अपनी ताकत का एहसास कराया। उसके बाद वह शांतिदूत बनकर सारी दुनिया के मसीहा बनना चाहते थे। जब वह सफल नहीं हुए तो उन्होंने गैंगस्टर की तरह काम करते हुए.. राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को रातों-रात सरकारी आवास से उठाकर अमेरिका में कैद कर दिया। वहां के तेल भंडारों पर कब्जा करते हुए अपने लोगों को बिठा दिया। इस सफलता के बाद उन्हें ऐसा लगने लगा था कि वह ईरान के साथ भी यही सब कर सकते हैं। पहले वहां पर खामेनेई के खिलाफ बगावत करवाकर सत्ता पलटने का प्रयास किया, जब यह प्रयास सफल नहीं हुआ तो उन्होंने ईरान के ऊपर हमला कर दिया। उनको लग रहा था कि एक सप्ताह के अंदर वह ईरान को जीत लेंगे। ईरान पर उनका कब्जा हो जाएगा। लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। ईरान अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। ट्रंप और नेतन्याहू के पाप का घड़ा भर चुका है। ट्रंप ने अपनी कुर्सी को बचाए रखने के लिए सीजफायर का दांव चला। इसमें उन्होंने चीन, पाकिस्तान और खाड़ी देशों की सहायता लेकर इस लड़ाई से बाहर निकलना चाह रहे थे, लेकिन नेतन्याहू इस लड़ाई से उन्हें बाहर नहीं निकलने देना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने अपनी असहमती दर्ज करा कर लेबनान के ऊपर हमला कर दिया। अब यह हमने फिर शुरू हो गए हैं, जिसके कारण एक बार फिर युद्ध के काले बादल मंडराने लगे हैं। सीज फायर के बाद आशा की जो किरण जागी थी, उसको लेकर एक बार पुन: आशंकाओं के बदले घिरने लगे हैं। धर्म युद्ध की इस लड़ाई में एक बात तो तय है कि ट्रंप और नेतन्याहू के पाप का घड़ा भर चुका है। कभी भी इनकी सत्ता जा सकती है। अमेरिका में ट्रंप की पार्टी के सांसदों ने विद्रोह शुरू कर दिया है। अमेरिका की जनता सड़कों पर आ रही है। कुछ इसी तरह की स्थिति इजरायल में भी देखने को मिल रही है। कहा जाता है धर्म युद्ध में सत्य की विजय होती है इस बार सत्य ईरान के साथ है। बहुत छोटी सी अर्थव्यवस्था और छोटी आबादी होने के बाद भी उसने जिस तरह से इन दोनों महा राक्षसों का मुकाबला किया है, उसकी प्रशंसा अब सारी दुनिया में हो रही है। लोगों को लगने लगा है, इस धर्म युग में राक्षसी प्रवृत्तियों का जल्द ही अंत होगा।

चिंतन-मनन

निराशा से होती है हार

नियति प्रम के निरंतर उल्लंघन से प्रकृति का अदृश्य वातावरण भी इन दिनों कम दूषित नहीं हो रहा है। भूकम्प, तूफान, बाढ़, विद्रोह, अपराध, महामारियां आदि पर नियंत्रण पाना कैसे संभव होगा, समझ नहीं आता। किंकर्तव्यविमूढ़ स्थिति में पहुंचा हतप्रभ व्यक्ति प्रमशः अधिक निराश होता है। इतना साहस और पराक्रम तो विरलों में होता है, जो आंधी, तूफानों के बीच भी आशा का दीपक जलाए रह सकें, गतिशीलता में कमी न आने दें। ऐसे व्यक्तियों को महामानव-देवदूत कहा जाता है पर वे यदाकदा ही प्रकट होते हैं। आज जनसाधारण का मानस ऐसे ही दलदल में फंसा है। होना तो चाहिए था कि अनौचित्य के स्थान पर औचित्य को प्रतिष्ठित करने के लिए साहसिक पुरुषार्थ जगता पर लोक मानस में उस स्तर का उच्च स्तरीय उत्साह नहीं उभर रहा है। इन परिस्थितियों में साधारण जनमानस का निराश होना स्वाभाविक है। समझ लेना चाहिए कि निराशा हल्के दर्जे की बीमारी नहीं है, वह जहां भी जड़ जमाती है, घुन की तरह मजबूत शहतीर को भी खोखला करती जाती है। निराशा अपने साथ हार जैसे मान्यता संजोए रहती है। इतने दबावों से दबा आदमी स्वयं तो टूटता ही है, साथियों को भी तोड़ता है। इससे शक्ति का अपहरण होता है, जीवनी शक्ति जवाब दे जाती है, तनाव बढ़ते जाने से उद्विग्नता बनी रहती है और ऐसे रचनात्मक उपाय नहीं दिखते, जिनके सहारे तेज बहाव वाली नाव खेकर पार पाया जाता है। निराश व्यक्ति जीत की संभावना नकारने के कारण जीती बाजी हारते हैं। निराशा न किसी गिरे को ऊंचा उठने देती है और न प्रगति की किसी योजना को क्रियान्वित होने देती है। अस्तु, निराशा को छोटी बात न मानकर उसके निराकरण का हर क्षेत्र में प्रयत्न होता रहे। जहां भी निराशा का माहौल हो, उसके निराकरण का हर संभव उपाय करना चाहिए। इसका उपचार यही है कि प्रतिरोध में समर्थ चिंतन और पुरुषार्थ के लिए जन-जन की विचारशक्ति को उत्तेजित किया जाए। उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान देने और उन्हें समर्थ बनाने के लिए जिस मनोवृत्ति को उत्साहपूर्ण प्रश्रय मिलना चाहिए, उसके लिए आवश्यक पृष्ठभूमि तैयार की जाए।

नारी की उदारता का दिव्य स्वरूप मानवता के मूल में नारी का करुणामय हृदय

कांतिलाल मांडोत

नारी की उदारता का सबसे श्रेष्ठ उदाहरण उसके मातृत्व में देखने को मिलता है। एक माता अपने बच्चे को गर्भ में धारण करने से लेकर उसके पालन पोषण तक हर कठिनाई को सहज भाव से स्वीकार करती है। वह अपनी भूख प्यास नींद सब कुछ त्याग कर अपने शिशु की देखभाल करती है। वह अपने सुखों का त्याग कर अपने बच्चे के भविष्य को संवारने में लग जाती है।

नारी सृष्टि की सबसे कोमल किन्तु सबसे शक्तिशाली कृति है। वह केवल एक शरीर या एक सामाजिक भूमिका नहीं बल्कि जीवन का आधार है। उसके बिना संसार की कल्पना भी अधूरी है। नारी के व्यक्तित्व का सबसे उज्ज्वल पक्ष उसकी उदारता है जो उसे महान बनाती है। उदारता का अर्थ केवल दान देना नहीं बल्कि अपने अस्तित्व को दूसरों के लिए समर्पित कर देना है और यही गुण नारी के स्वभाव में स्वाभाविक रूप से विद्यमान है।

नारी की उदारता का सबसे श्रेष्ठ उदाहरण उसके मातृत्व में देखने को मिलता है। एक माता अपने बच्चे को गर्भ में धारण करने से लेकर उसके पालन पोषण तक हर कठिनाई को सहज भाव से स्वीकार करती है। वह अपनी भूख प्यास नींद सब कुछ त्याग कर अपने शिशु की देखभाल करती है। वह अपने सुखों का त्याग कर अपने बच्चे के भविष्य को संवारने में लग जाती है। उसकी ममता में कोई भेदभाव नहीं होता चाहे संतान कैसी भी हो वह उसे समान प्रेम देती है। यही नारी की उदारता की पराकाष्ठा है।

नारी केवल माता के रूप में ही नहीं बल्कि एक गृहिणी के रूप में भी अपनी उदारता का परिचय देती है। विवाह के बाद वह एक नए परिवार में प्रवेश करती है और उस परिवार को अपना मानकर पूरे मन से उसकी सेवा करती है। वह अपने माता पिता और अपने पुराने परिवेश को छोड़कर एक नए वातावरण में ढल जाती है। वह घर के प्रत्येक सदस्य की आवश्यकताओं का ध्यान रखती है और परिवार को एक सूत्र में बांधे रखती है। उसकी यह सेवा भावना और समर्पण उसकी उदारता का जीवंत उदाहरण है।

पत्नी के रूप में भी नारी का स्वरूप अत्यंत प्रेरणादायक होता है। वह अपने पति के सुख दुख में सहभागी बनती है और हर परिस्थिति में उसका साथ निभाती है। वह केवल एक जीवनसाथी ही नहीं बल्कि मार्गदर्शक भी होती है। अनेक उदाहरण मिलते हैं जहां पत्नी ने अपने पति को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी और उसे जीवन में सफल बनाया। वह अपने परिवार के लिए त्याग करती है और अपने कर्तव्यों का निर्वाह पूरी निष्ठा से करती है। उसकी यह निष्ठा और त्याग उसकी उदारता का ही परिणाम है।

नारी की उदारता केवल परिवार तक सीमित नहीं है बल्कि समाज और राष्ट्र तक विस्तृत है। इतिहास में अनेक ऐसी नारियों का वर्णन मिलता है जिन्होंने अपने त्याग और बलिदान से समाज को नई दिशा दी। पन्ना धाय का उदाहरण इस संदर्भ में अत्यंत प्रेरणादायक है जिन्होंने अपने पुत्र का बलिदान देकर राज्य के उत्तराधिकारी की रक्षा की। यह त्याग केवल कर्तव्य नहीं बल्कि उदारता की चरम सीमा है।

नारी के हृदय में करुणा और दया का अथाह सागर होता है। वह दूसरों के दुख को अपना दुख मानती है और उनकी सहायता के लिए सदैव तत्पर रहती है। उसकी संवेदनशीलता उसे एक श्रेष्ठ मानव बनाती है। यही कारण है कि नारी को करुणा और प्रेम की मूर्ति कहा गया है। वह जहां भी होती है वहां स्नेह और शांति का वातावरण बनाती है। धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में भी नारी की उदारता के अनेक उदाहरण मिलते हैं। वह केवल अपने आत्म कल्याण तक सीमित नहीं रहती बल्कि दूसरों को भी सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। वह अपने उपदेश और आचरण से समाज को दिशा प्रदान करती है। उसकी यह प्रवृत्ति उसके उदार हृदय का परिचायक है।

नारी को कभी कमजोर समझा गया है किन्तु वास्तव में वह अत्यंत सबल है। उसकी शक्ति उसकी सहनशीलता में है। वह विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखती है और अपने कर्तव्यों का निर्वाह करती रहती है। उसकी उदारता ही उसे यह शक्ति प्रदान करती है। वह अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर दूसरों के हित के बारे में सोचती है और यही उसे महान बनाता है।

नारी के बिना समाज का संतुलन संभव नहीं है। वह केवल जीवन देने वाली नहीं बल्कि जीवन को संवारने वाली भी है। उसकी भूमिका हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण है चाहे वह परिवार हो समाज हो या राष्ट्र। उसकी उदारता ही उसे सभी के लिए पूजनीय बनाती है।

आज के समय में आवश्यकता है कि नारी के इस उदार स्वरूप को समझा जाए और उसका सम्मान किया जाए। नारी को केवल अधिकार देने की बात ही नहीं बल्कि उसके योगदान को स्वीकार करने की भी आवश्यकता है। जब तक समाज में नारी का सम्मान नहीं होगा तब तक वास्तविक प्रगति संभव नहीं है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि नारी की उदारता मानवता की सबसे बड़ी धरोहर है। उसका त्याग उसका प्रेम और उसकी करुणा इस संसार को सुंदर बनाते हैं। यदि नारी का यह गुण समाप्त हो जाए तो समाज में संतुलन और संवेदनशीलता का अभाव हो जाएगा। इसलिए हमें नारी के इस महान गुण का आदर करना चाहिए और उसके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

सभ्यता खत्म के बयान पर घिरते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प

सुनील कुमार महला

पाठकों को बताता चलूं कि 15 सदस्यीय परिषद में इस प्रस्ताव के पक्ष में 11 वोट पड़े, जबकि रूस और चीन ने विरोध में मतदान किया। वहीं पर पाकिस्तान और कोलंबिया इस मतदान से दूर रहे।आवश्यक 09 मत मिलने के बावजूद, वीटो के चलते प्रस्ताव असफल हो गया। इसी बीच, डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को समझौते के लिए दी गई समय-सीमा समाप्त होने से एक दिन पहले, 7 अप्रैल 2026 (मंगलवार) को अमेरिकी सेना ने खर्ग द्वीप पर हमला किया। इसके समानांतर, इजरायल की सेना ने ईरान के भीतर रेल पटरियों और पुलों को निशाना बनाते हुए बमबारी की।

सुनील कुमार महला

मध्य-पूर्व में जारी युद्ध को 40 दिन से अधिक समय हो चुका है तथा लगातार हमलों के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर दुनिया स्पष्ट रूप से दो धड़ों में बंटी हुई नजर आ रही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पेश एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव रूस और चीन के वीटो के कारण पारित नहीं हो सका। बहरीन द्वारा लाए गए इस प्रस्ताव में होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की अपील की गई थी। पाठकों को बताता चलूं कि 15 सदस्यीय परिषद में इस प्रस्ताव के पक्ष में 11 वोट पड़े, जबकि रूस और चीन ने विरोध में मतदान किया। वहीं पर पाकिस्तान और कोलंबिया इस मतदान से दूर रहे।आवश्यक 09 मत मिलने के बावजूद, वीटो के चलते प्रस्ताव असफल हो गया। इसी बीच, डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को समझौते के लिए दी गई समय-सीमा समाप्त होने से एक दिन पहले, 7 अप्रैल 2026 (मंगलवार) को अमेरिकी सेना ने खर्ग द्वीप पर हमला किया। इसके समानांतर, इजरायल की सेना ने ईरान के भीतर रेल पटरियों और पुलों को निशाना बनाते हुए बमबारी की। जवाब में ईरान ने इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलें और रॉकेट दागे। हालांकि, व्हाइट हाउस ने स्पष्ट किया कि वह ईरान के खिलाफ परमाणु हथियारों के उपयोग पर विचार नहीं कर रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों के लिए नई एडवाइजरी जारी की, जिसमें अगले 48 घंटे तक अपने स्थान पर ही सुरक्षित रहने की सलाह दी गई। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि आज रात एक पूरी सभ्यता समाप्त हो सकती है, जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा। दूसरी ओर, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने दावा किया कि 1 करोड़ 40 लाख से अधिक ईरानी देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने को तैयार हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि मध्य-पूर्व के इस युद्ध के प्रभाव लगातार गंभीर होते जा रहे हैं और इजरायली हमलों में ईरान के आठ पुल नष्ट हो चुके हैं तथा कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 108 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। जानकारी अनुसार इजरायल ने तेहरान, करज, काशान और कोम में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, जबकि ईरान ने इजरायल पर सात बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इतना ही नहीं, कुवैत से दागे गए एक रॉकेट हमले में इराक में तीन लोगों की मृत्यु हुई। वहीं, ईरान द्वारा कतर पर दागी गई मिसाइलों को कतर ने नाकाम करने का दावा किया है। इस बीच ईरान की विशेष सैन्य इकाई इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने संभावित हमलों के लक्ष्यों की सूची भी जारी की है।सच तो यह है कि इस युद्ध का असर पूरे विश्व समेत भारत पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। दिल्ली-एनसीआर में इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) के दामों में 1.70 रुपये प्रति एससीएम की वृद्धि की है, जो 1 अप्रैल से लागू हो चुकी है। इसके अलावा, एयर इंडिया ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर ईंधन शुल्क बढ़ा दिया है, जिसके तहत घरेलू उड़ानों में 299 रुपये से 899 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद शुरू हुआ यह युद्ध एक महीने से अधिक समय बीतने के बावजूद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीच-बीच में युद्धविराम की चर्चाएं जरूर होती हैं, लेकिन वे जल्द ही तीव्र हमलों के बीच दब जाती हैं। ताजा घटनाक्रम में जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि अमेरिका ने खर्ग द्वीप पर पुन: हमला किया, जबकि ईरान के अल्बोर्ज प्रांत में हुए हवाई हमले में कम से कम 18 लोगों की मौत हुई है। डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि यदि ईरान निर्धारित समय तक होर्मुज जलमार्ग में जहाजों की आवाजाही पूरी तरह बहाल नहीं करता, तो उसके बिजली संयंत्रों और पुलों पर व्यापक बमबारी की जाएगी। इस संदर्भ में यह प्रश्न भी उठता है कि क्या नागरिक ढांचे पर हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत युद्ध अपराध की श्रेणी में आते हैं। यहां यह गौरतलब है कि पहले ही एक स्कूल पर हुए हमले में बच्चियों की मौत को लेकर अमेरिका और इजरायल की आलोचना हो चुकी है। वास्तव में अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि इस युद्ध में मानवीय संवेदनाएं पीछे छूटती जा रही हैं। जहां अमेरिका और इजरायल ईरान पर लगातार हमले कर रहे हैं, वहीं ईरान भी इजरायल और मध्य-पूर्व में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है।

इसके परिणामस्वरूप पूरे क्षेत्र में कच्चे तेल के उत्पादन और आपूर्ति पर गंभीर प्रभाव पड़ा है, जिससे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा और खाद्य संकट गहराता जा रहा है।इधर, युद्धविराम के प्रयास भी ठोस परिणाम नहीं दे पा रहे हैं। ईरान ने 45 दिनों के युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार करते हुए स्पष्ट किया है कि वह केवल स्थायी शांति और भविष्य में हमले न किए जाने की गारंटी चाहता है। यह मांग कूटनीतिक दृष्टि से तार्किक प्रतीत होती है, क्योंकि अस्थायी समाधान मूल समस्याओं का निवारण नहीं कर सकते। कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान स्थिति यह संकेत देती है कि सभी पक्ष अपनी-अपनी जिद पर अड़े हुए हैं, जिससे समाधान की संभावनाएं धूमिल होती जा रही हैं। ऐसे में यह बड़ा प्रश्न उभरता है कि जब व्यापक विनाश के बाद यह युद्ध समाप्त होगा, तब शांति की कीमत कितनी भारी होगी।

होम्योपैथी: मीठी गोलियों में छिपा आरोग्य का महासागर

दिलीप कुमार पाठक

आज के दौर में जब हम सुबह उठते हैं, तो हमारा सामना प्रदूषण, मिलावट और तनाव से होता है। ऐसे में बीमारियां हमारे जीवन का हिस्सा बन गई हैं। आज दुनिया में चिकित्सा की कई पद्धतियां हैं, लेकिन डब्ल्यूएचओ के कुछ आंकड़े हमें चौंकाते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, होम्योपैथी आज दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चिकित्सा पद्धति बन चुकी है। पूरी दुनिया में इसकी लोकप्रियता हर साल करीब 20 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रही है। अकेले हमारे देश भारत की बात करें, तो यहाँ लगभग 10 करोड़ से ज्यादा लोग अपनी छोटी-बड़ी बीमारियों के लिए पूरी तरह होम्योपैथी पर भरोसा करते हैं। यह भरोसा यूँ ही नहीं बना है, इसके पीछे इस पद्धति की सादगी और बिना किसी नुकसान के ठीक करने की ताकत छिपी है। अक्सर शरीर के अनजाने रोगों के लिए लोग सालों-साल इलाज कराते हैं। लाखों रुपए अस्पतालों और जांचों में खर्च कर देते हैं परिणाम के नाम सिर्फ चंद घंटों की राहत मिलती है। ऐसे में होम्योपैथी सस्ता और पक्का विकल्प बनकर सामने आती है। आयुष मंत्रालय की मानें तो होम्योपैथी का इलाज अन्य पद्धतियों के मुकाबले काफी किफायती है, जो भारत के हर आम और गरीब आदमी की पहुँच में है। लेकिन इसका सस्ता होना इसकी कमजोरी नहीं, बल्कि इसकी खूबी है। यह शरीर को रसायनों की भट्टी बनाने के बजाय उसे अंदर से मजबूत बनाने का काम करती है। होम्योपैथी के बारे में एक बात बहुत मशहूर है कि यह असर दिखाने में बहुत वक्त लेती है। लोग अक्सर कहते हैं कि यह बहुत धीमी है। लेकिन हकीकत यह है कि यह धीमी नहीं बल्कि गहरी है। जब कोई बीमारी पुरानी हो जाती है, तो वह शरीर की जड़ों में बैठ जाती है। उस जड़ तक पहुँचने में दवा को थोड़ा समय तो लगता ही है। कई बार ऐसा देखा गया है कि इलाज शुरू करने के पहले पंद्रह दिनों तक मरीज को कोई खास फर्क महसूस नहीं होता। मरीज को लगता है कि शायद ये गोलियां काम नहीं कर रही हैं। लेकिन असल में वह पंद्रह दिन का समय शरीर के अंदर की सफाई और मरम्मत का होता है। जैसे ही वह आधार तैयार होता है, पंद्रह दिन बाद अचानक बीमारी ऐसे गायब होने लगती है जैसे कभी थी ही नहीं। आजकल एंटीबायोटिक दवाओं का असर कम होना एक बड़ी वैश्विक चिंता बन गया है। ऐसे में होम्योपैथी एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। नेशनल सैंपल सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि भारत में लगभग 30 प्रतिशत लोग अब पुरानी बीमारियों के लिए सबसे पहले होम्योपैथी का चुनाव कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि इन दवाओं का लीवर, किडनी या पेट पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता। यही वजह है कि आज कई बड़े एलोपैथी डॉक्टर भी दबी जुबान में मानने लगे हैं कि जहाँ आधुनिक विज्ञान की सीमाएं खत्म होती हैं, वहाँ होम्योपैथी का अनुभव और असर कमाल कर जाता है। प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व होम्योपैथी दिवस दरअसल इस पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है। उन्होंने दुनिया को सिखाया कि मरीज का इलाज करते समय केवल उसके अंगों को नहीं, बल्कि उसके पूरे व्यक्तित्व को देखना चाहिए। होम्योपैथी में दवा देते समय डॉक्टर केवल आपकी बीमारी नहीं पूछते, बल्कि आपकी पसंद-नापसंद और आपके स्वभाव को भी समझते है। क्योंकि विज्ञान मानता है कि हर इंसान की बनावट और उसकी तकलीफ अलग होती है, इसलिए उसका इलाज भी अलग और विशेष होना चाहिए। भारत में अब 2 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड होम्योपैथी डॉक्टर दिन-रात लोगों की सेवा में जुटे हैं। सरकार ने भी इसे नेशनल हेल्थ मिशन का हिस्सा बनाकर इसकी ताकत को पहचाना है। यह पद्धति हमें सिखाती है कि स्वास्थ्य कोई ऐसी चीज नहीं जिसे आप दुकान से खरीद लें, यह तो एक संतुलन है जो कुदरत के करीब रहने से मिलता है।

खास बात

नक्सल मुक्त होने का उत्सव?

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में भारत के नक्सल मुक्त होने का ऐलान किया। बड़े पैमाने पर नक्सलमुक्त भारत का उत्सव मनाया गया। संसद में वाहवाही हुई। राष्ट्रीय चैनलों में अमित शाह की घोषणा का लाइव प्रसारण किया गया। लंबे समय तक भारत सरकार ने नक्सली अभियान चलाया। नक्सलियों से आत्मसमर्पण भी कराया। कुछ नक्सलियों को ऊपर भेजा गया।नक्सलवाद खत्म हुआ या नहीं, यह तो समय ही बताएगा।सरकार ने उत्सव मनाकर वाह-वाही जरूर लूट ली है। इसे कहते हैं सरकार चलाने का सफल इवेंट

कमजोर ईरान ने पहलवान अमेरिका को दी पटखनी

अमेरिका अपने आप को सारी दुनिया का दादा मानता था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अहंकार सर चढ़कर बोल रहा था। टैरिफ के बहाने उन्होंने दुनिया के देशों में अपनी गैंगस्टर की तरह पहचान बनाई। वह शांति दूत बनना चाहते थे। नोबेल पुरस्कार की गुहार लगा रहे थे। इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान की सत्ता पर कब्जा करने के लिए उस पर जब हमला किया। उस समय ईरान सबसे कमजोर था। जो दादागिरी ट्रंप करना चाहते थे। वह तो पूरी नहीं हुई, 47 वर्षों से अमेरिका ईरान पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगाकर पेर रहा था। ईरान के आर्थिक जब हालत खराब थे। उसका फायदा उठाकर ईरान में सत्ता पलटने के लिए आंदोलन चलवाए। कमजोर ईरान ने दुनिया के दादा डोनाल्ड ट्रंप को 34 दिन के युद्ध में दिन में तारे दिखा दिए। इसे कहते हैं।

ऑस्ट्रेलिया को संबोधित करेंगे धीरेंद्र शास्त्री

इसे कहते हैं भाग्य, बागेश्वर पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 8 से 15 अप्रैल तक ऑस्ट्रेलिया की यात्रा में है। बाबा 14 अप्रैल को विश्व शांति और भारतीय संस्कृति पर ऑस्ट्रेलिया की संसद में संबोधन देंगे। इसके बाद भी हम विश्व गुरु नहीं बन पाए, तो इसके कारण तो हमें खोजना ही चाहिए। हनुमान भक्त धीरेंद्र शास्त्री जिस तरह से देश और विदेश में अपना डंका बज रहे हैं।यह भाग्य देवी देवताओं की कृपा से ही संभव है। बजरंगबली हवा में भी उड़ाते थे। उनके भक्त हवा में उड़ने लगे, तो इसमें आश्चर्य जैसी कोई बात भी नहीं है।

असम केरल और पुडुचेरी में मतदान

केंद्रीय चुनाव आयोग और एसआईआर को लेकर राजनीतिक दलों का विवाद पिछले कई महीने से हाईकोर्ट से होते हुए सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान बिहार विधानसभा के चुनाव हो गए। वहां पर भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर चुनाव जीत गई और सरकार भी बन गई। एसआईआर में मतदाता बढ़ने के स्थान लाखों मतदाताओं के नाम काट दिए गए। पश्चिम बंगाल में आरोप लग रहे हैं 75 फ़ीसदी मुस्लिम मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए हैं।उनके पुरखे और वह भारत में ही जन्मे। कई बार मतदान कर चुके हैं। ऊसके बाद भी मुसलमान होने के कारण उनके नाम कट गए।

होर्मुज की चाबी और दिन में तारे

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बच्चों वाला खेल चल रहा है। किसी चंचल बच्चे की तरह बच्चा बुद्धि वाले ट्रंप अंकल उसके बाप साबित हो चुके ईरान से बार-बार मिन्नतें कर रहे हैं कि होर्मुज खोलो... होर्मुज खोलो...। ईरान खिलखिलाते हुए कह रहा है-'जाओ नहीं खोलता, क्या कर लोगे...।' अंकल फिर रूठ जाते हैं। ठीक उसी तरह जैसे कोई बच्चा चांद को देखकर मचल जाता है कि मुझे चंदा मामा चाहिए, चंदा मामा चाहिए। चंदा मामा तो दूर के हैं ही, होर्मुज तो उससे भी दूर का हो चला है। कैसे लाओगे? खिसियाई बिल्ली की तरह ट्रंप खंभा नोचने लगते हैं। फिर वही रट लगाते हैं-'खोलो न, खोलो न।' ट्रंप की दुखती नस पकड़ चुके ईरान के शासक अब की बार व्यंग्यभरी मुस्कान के लहजे में ट्रंप को झुनझुना पकड़ाकर कहते हैं-'खोलें कैसे? होर्मुज की तो चाबी ही खो गई है...।' ईरानी दूतावास व्यंग्यभरे लहजे में कह रहा है कि चाबी फूलदान के नीचे है, होर्मुज दोस्तों के लिए खुला है। चाबी उन्हीं को दी जाएगी जो हमारे मित्र हैं। अभी तो ईरान चाबी खोने के तंज ही कस रहा है। कहीं सच में उसने होर्मुज की चाबी को फूलदान के नीचे से निकाल उसी जलडमरूमध्य में उछाल दिया तो...! फिर अंकल सैम क्या करेंगे। अपने फंसे हुए सैनिक को ईरान की पहाड़ियों से बाहर लाना तो आसान है, पर समुद्र में डूबी उस अदृश्य चाबी को निकाल पाना... तौबा-तौबा...! किसकी मदद लोगे जनाब ट्रंप? नाटो वाले तो पहले ही मना कर चुके हैं। बाकी दुनिया की बात छोड़िए, आपके घर वाले ही आपके खिलाफ हैं। खैर, चाबी तो तुम क्या ही निकालोगे। जिन खाड़ी देशों में अपने सैन्य अड्डे बनाए बैठे हो, उनकी सुरक्षा तक तो कर नहीं पा रहे! भई, अकेला चना कब तक भाड़ फोड़ेगा? पहले रोज सवेरे उठकर टैरिफ लगा दूंगा, टैरिफ लगा दूंगा... के गीत गाते थे, अब युद्ध शुरू कर होर्मुज चाहिए, होर्मुज चाहिए... के गीत गा रहे हो!

एक चुप सौ सुख, बोले तो दुख ही दुख

दुनिया का हाल भी वैसा ही हो गया है जैसा घर के व्हाट्सएप ग्रुप का। किसी ने कुछ कहा और बस लड़ाई शुरू या ग्रुप छोड़कर भागने की धमकी। दुनिया में लड़ाई इसलिये नहीं होती कि हथियार ज्यादा हैं, इसलिये होती है कि समझ कम है। अपनी कहावतों में जीवन का सार है। पता नहीं किसने नसीहत दी होगी कि एक चुप सौ सुख। आजकल सलाह देना भी रिस्की काम हो गया है। पहले जमाना बड़ा सीधा था। घर में कोई गलती करे तो बड़े-बुजुर्ग तुरंत सलाह दे देते थे। बाप-बेटे को समझा देता था, पड़ोसी पड़ोसी को समझा देता था और गांव का ताऊ तो बिना पूछे दो सलाह मुफ्त में दे देता था। आज का लड़का अगर बाप से सलाह सुने तो तुरंत मोबाइल निकालता है और कहता है-पापा, गूगल कुछ और कह रहा है।

यह बीमारी सिर्फ घरों तक सीमित नहीं रही। अब तो दुनिया की राजनीति में भी सलाह देना खतरनाक हो गया है। आज अगर कोई नेता ईरान और अमेरिका की लड़ाई के बीच जाकर सलाह देने लगे तो हो सकता है वह सलाह देने से पहले ही इतिहास बन जाए। इस संघर्ष में कई बड़े देश भी बड़ी सावधानी से कदम रख रहे हैं। भारत भी यही सोचता है कि बयान कम और संवाद ज्यादा होना चाहिए क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में कई बार चुप रहना भी एक तरह की कूटनीति माना जाता है।

दरअसल, दुनिया इतनी संवेदनशील हो गई है कि घर में सलाह दो तो बहस शुरू हो जाती है, ऑफिस में सलाह दो तो राजनीति शुरू हो जाती है, अंतर्राष्ट्रीय मामलों में सलाह दो तो विवाद शुरू हो जाता है। आजकल सलाह देना मधुमक्खी के छत्ते में हाथ डालना है। शहद मिले न मिले, डंक मिलने की गारंटी है।

एक बार किसी हरियाणवी से पूछा कि तुम्हें यदि यूएन में भेज दें तो क्या करोगे? ताऊ बोल्या-मैं तो सारे बड्डे-बड्डे लीडरां के मोबाइल छीन ल्यूंगा। लोग बोले कि इसका क्या फायदा होगा? ताऊ समझाते हुए बोला-आधी लड़ाई तो इणके ट्वीट अर भाषणां की ए है।

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को अतीक अहमद की तरह मारने की मिली धमकी, प्राथमिकी दर्ज

वाराणसी (हिंस)। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज को अतीक अहमद की तरह जान से मारने की धमकी मिली है। इस संबंध में शनिवार को वाराणसी के भेलूपुर थाना में शंकराचार्य के शिष्य की ओर से तहरीर दी गई। थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भेलूपुर थाना प्रभारी विजय कुमार शुक्ला ने बताया कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्य की ओर से तहरीर देते हुए एक ऑडियो क्लिप भी सुनाई गई है, जिसमें धमकी दी जा रही है। यह ऑडियो मैसेज के माध्यम से भेजा गया है और उसमें शंकराचार्य को अतीक अहमद की तरह जान से मारने की धमकी दी गई है। इस मामले में शंकराचार्य के शिष्य की ओर से मिली तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम अज्ञात व्यक्ति की तलाश कर रही है।

वृंदावन नाव हादसा : पंजाब के मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों के साथ दुख साझा किया

जगराओं (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जगराओं का दौरा कर मथुरा के पास नाव पलटने की दुखद घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के साथ संवेदना व्यक्त की और संकट की इस घड़ी में हर संभव सहायता का भरोसा दिया। इस घटना में हुए जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वृंदावन की यात्रा के दौरान यमुना नदी में पीड़ितों की नाव पलट गई, जिसमें अब तक 11 शव बरामद किए जा चुके हैं और चार लापता व्यक्तियों की तलाश जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार लगातार उत्तर प्रदेश सरकार के संपर्क में है और बचाव कार्यों में सहायता के लिए पंजाब की ओर से गोताखोरों की टीमें पहले ही भेजी जा चुकी हैं। जवाबदेही और रोकथाम पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं

की सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि भविष्य में सुरक्षा प्रबंधों को मजबूत करने और ऐसे हादसों को रोकने के लिए उन्होंने यह मुद्दा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया है। मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि मथुरा के पास हुई इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में कीमती जिंदगियों के नुकसान पर बेहद दुख हुआ है। मेरी गहरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खो दिया है। मुख्य मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार की ओर से बचाव कार्यों में उत्तर प्रदेश के अधिकारियों की मदद के लिए घटनास्थल पर गोताखोरों की टीमें भेजी गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस हादसे में बचे लोगों को आवश्यक चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। मैं उत्तर प्रदेश में अपने समकक्ष के साथ लगातार संपर्क में हूं और चल रहे बचाव एवं राहत कार्यों की निकटता से निगरानी कर रहा हूं। रोकथाम उपायों की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि मैंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से अपील की है कि भविष्य में ऐसे पवित्र स्थलों की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। यह जरूरी है कि संबंधित राज्य सरकारें जन महत्व के स्थानों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं। संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं जान गंवाने वालों के परिवारों, रिश्तेदारों और मित्रों के प्रति दिल से सहानुभूति प्रकट करता हूं।

किसानों ने चार घंटे तक जाम किया टोल, बड़े आंदोलन की चेतावनी

जाम के दौरान रास्ता डायवर्ट करके निकाले गए वाहन

हिसार (हिंस)। सरकार पर नई नई शर्तें थोपकर किसानों को परेशान करने व अन्य मांगों पर संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसानों ने शनिवार को जिले के लांधड़ी-चिकनवास टोल प्लाजा पर जाम लगाया। लगभग चार घंटे रहे जाम से निपटने के लिए पुलिस ने व्याप्त प्रबंध किए हुए थे। दोनों तरफ के वाहनों को रास्ता डायवर्ट करके निकाला गया। प्रदर्शन में किसान व मजदूर संगठन शामिल रहे। किसान नेता सरदानंद राजली ने कहा कि यह आंदोलन केवल चेतावनी और रिहर्सल है। यदि सरकार ने अपनी नीतियों में बदलाव नहीं किया और नए मंडी कानूनों को वापस नहीं लिया, तो आने वाले समय में बड़ा और निर्णायक आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों की लड़ाई अब सड़क से संसद तक लड़ी जाएगी। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गेट पास और बायोमेट्रिक प्रणाली को तुरंत बंद करने, नए खरीद नियमों को वापस लेने और पहले की तरह गेहूं खरीद व्यवस्था बहाल करने की मांग उठाई। किसान नेताओं ने कहा कि एक ओर किसान मौसम की मार झेल रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकार उसे कागजी प्रक्रियाओं में उलझा रही है, जो सरासर अन्याय है। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एंबुलेंस, परीक्षा देने

जा रहे छात्रों, आपातकालीन सेवाओं और सेना के वाहनों को बिना बाधा के सुरक्षित रास्ता दिया। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि गेहूं व सरसों की खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से शुरू नहीं की गई और मंडी से जुड़े नियम वापस नहीं लिए गए तो मंडियों से लेकर सड़कों तक बड़ा आंदोलन छेड़ा जाएगा। इस दौरान सूरजभान डाया, शमशेर नम्बरदार, ईश्वर वर्मा, अनिल बैंदा, बलराज मलिक, राजीव मलिक, संदीप सिवाच, कुलदीप पूनिया, सतबीर धायल, रोहतास राजली सहित बड़ी संख्या में किसान-मजदूर मौजूद रहे। हरियाणवी कलाकार ईश्वर छातर ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में रागनियां प्रस्तुत की।

बीकानेर स्थापना दिवस : तीन दिन तक संस्कृति, संवाद और सम्मान का संगम

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर नगर स्थापना दिवस इस बार नए अंदाज और व्यापक स्वरूप में 17, 18 और 19 अप्रैल को मनाया जाएगा। बीकानेर नगर स्थापना दिवस समारोह समिति और नंदलाल जोशी चैरिटेबल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। समिति के अध्यक्ष के रूप में संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा होंगे यह तीन दिवसीय उत्सव बीकानेर की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और प्रगतिशील स्वरूप को नई पहचान देगा तथा शहर में एकता और गौरव की भावना को और मजबूत करेगा। कार्यक्रम संयोजक रविन्द्र हर्ष ने बताया कि इस वर्ष आयोजन को खास बनाने के लिए शहर के 100 से अधिक युवा कलाकारों को जोड़ा गया है, जो अपनी कला से बीकानेर को विशेष रंगों में सजाएंगे। उन्होंने कहा कि यह आयोजन युवाओं की भागीदारी और शहर की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाई देगा। सहसंयोजक अनिल जोशी के अनुसार *बीकानेर के बढ़ते कदम* विषय पर आयोजित विशेष परिचर्चा में शहर के विकास, चुनौतियों और संभावनाओं पर गंभीर चर्चा की जाएगी, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के बुद्धिजीवी भाग लेंगे। सहसंयोजक ज्योति प्रकाश रंगा ने बताया कि *फिर गूंजेगा बीकानेर* सांस्कृतिक संध्या इस आयोजन का प्रमुख

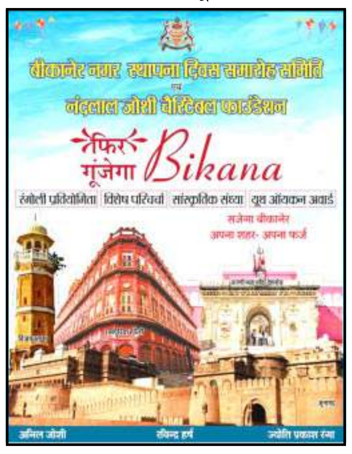

आकर्षण होगी। इस मंच पर स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा, साथ ही बीकानेर यूथ आइकॉन अवार्ड के माध्यम से प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन के तहत पांच विशिष्ट व्यक्तियों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया जाएगा, वहीं नगर की 25 विभूतियों का सम्मान किया जाएगा। इस सम्मान समारोह में बीकानेर के उन प्रतिभाशाली युवाओं को भी सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने प्रशासन, शिक्षा, खेल, साहित्य व आईटी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर शहर का नाम गौरवान्वित किया है। इसके अलावा रंगोली प्रतियोगिता, नागरिक अभिनंदन और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कई कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर आयोजन समिति का भी गठन किया गया है, जिसमें अध्यक्ष विश्राम मीणा के साथ सरजू दास जी महाराज, द्वारका प्रसाद पचीसिया, गणेश बोथरा, ज्ञान गोस्वामी, निर्मल कामरा, श्याम सुंदर सोनी और भूपेंद्र मिड्ढा शामिल हैं।

हरियाणा स्टार्टअप्स के मामले में सातवां सबसे बड़ा राज्य : नायब सैनी

मुख्यमंत्री ने निवेशकों को फूड प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स, ईवी के लिए किया आमंत्रित

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने औद्योगिक समूहों और निवेशकों से राज्य के तेजी से विकसित हो रहे फूड प्रोसेसिंग सेक्टर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में विस्तार कर रहे लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम, इलेक्ट्रिक व्हीकल पार्क और अन्य क्षेत्रों में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया। टाइकॉन चंडीगढ़ समिट 2026 में 12 देशों और 27 राज्यों से आए उद्यमियों और उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने एक अत्यंत अनुकूल औद्योगिक वातावरण तैयार किया है, जहां निवेशकों का विश्वास बढ़ता है और उद्यमियों को भरपूर अवसर मिलते हैं। हरियाणा ने विभिन्न क्षेत्रों की प्रगति का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि फूड प्रोसेसिंग उद्योग देश और प्रदेश में तेजी से विस्तार कर रहा है, लगभग 28,000 इकाइयां पहले ही स्थापित हो चुकी हैं।

लॉजिस्टिक्स के संदर्भ में उन्होंने बताया कि हरियाणा राष्ट्रीय स्तर पर तीसरे स्थान पर है और उत्तर भारत में पहले स्थान पर है, जहां लगभग 57 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र एनसीआर में आता है, जिसे एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था से उत्पादन और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जो राज्य पहले मुख्य रूप से कृषि और पारंपरिक उद्योगों के लिए जाना जाता था, वह अब नवाचार, स्टार्टअप्स और तकनीकी प्रगति का केंद्र बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा स्टार्टअप पॉलिसी के तहत सरकार युवाओं को वित्तीय सहायता, मार्गदर्शन, बुनियादी ढांचा और बाजार तक पहुंच प्रदान कर रही है। गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला और हिसार जैसे शहर स्टार्टअप हब के रूप में तेजी से उभर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हरियाणा स्टार्टअप्स की संख्या के मामले में सातवां सबसे बड़ा राज्य है, जहां 9,500 से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स हैं, जिनमें से लगभग 50 प्रतिशत महिला-नेतृत्व वाले हैं। राज्य का लक्ष्य अगले चरण में स्टार्टअप्स में महिलाओं की भागीदारी को 60 प्रतिशत तक बढ़ाना है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य के 14 जिले और लगभग 57 प्रतिशत क्षेत्र एनसीआर में आते हैं, जबकि लगभग 66 प्रतिशत क्षेत्र दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर के प्रभाव क्षेत्र में आता है। राज्य में हवाई, रेल और सड़क मार्ग से उत्कृष्ट संपर्क सुविधा उपलब्ध है और यह भारत के निर्यात में एक प्रमुख योगदानकर्ता है, जिसने वर्ष 2023-24 में 2.75 लाख करोड़ रुपए के निर्यात हासिल किए हैं। उन्होंने प्रमुख नीतिगत पहलों का भी उल्लेख किया, जिनमें इंटीग्रेटेड मिनी फूड पार्क योजना शामिल है। औद्योगिक क्षेत्रों और पार्कों में भूमि की खरीद या लीज पर स्टांप ड्यूटी में भी महत्वपूर्ण छूट दी जा रही है, जिसमें डी श्रेणी के ब्लॉकों में 100 प्रतिशत, सी श्रेणी में 75 प्रतिशत और ए व बी श्रेणी में 50 प्रतिशत की छूट शामिल है। निवेशकों की सुविधा के लिए हरियाणा एंटरप्राइज प्रमोशन सेंटर द्वारा सिंगल रूफ क्लीयरेंस सिस्टम शुरू किया गया है, जिसके माध्यम से एकीकृत ऑनलाइन पोर्टल पर 230 से अधिक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त, 48 विभागों में 1,100 से अधिक अनुपालनों को सरल बनाया गया है ताकि नियामक बोझ को कम किया जा सके।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की करोड़ों माताओं-बहनों के सम्मान का संकल्प

लखनऊ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री एवं उत्तर प्रदेश सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य ने शनिवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में *नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023* को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का एक ऐतिहासिक और युगांतरकारी निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम देश की करोड़ों माताओं बहनों के सम्मान का संकल्प है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत के उज्ज्वल, समावेशी और सशक्त भविष्य की आधारशिला है। यह महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि नीति निर्माण की प्रक्रिया में सशक्त भागीदार और निर्णयकर्ता बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। बेबी रानी मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार द्वारा लाया गया यह कानून देश की करोड़ों माताओं, बहनों और बेटियों के सम्मान और अधिकारों का राष्ट्रीय संकल्प है। संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने वाला यह संवैधानिक संशोधन लोकतंत्र को अधिक समावेशी, संवेदनशील और प्रभावी बनाएगा। उन्होंने कहा कि भारत में महिलाएं मतदान और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़ रही हैं, लेकिन राजनीति में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी अपेक्षाकृत कम है। भागीदारी बढ़ी है, लेकिन प्रतिनिधित्व संतुलित नहीं है। इसी अंतर को समाप्त करने के लिए यह कानून अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि वैश्विक और भारतीय अनुभव यह दर्शाते हैं कि जब महिलाएं नेतृत्व करती हैं, तो नीतियां अधिक संवेदनशील बनती हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न शोधों के अनुसार जेंडर गैप कम होने से वैश्विक अर्थव्यवस्था में बड़े स्तर पर वृद्धि संभव है। उन्होंने पिछले 10 वर्षों में महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में हुए ठोस कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि करोड़ों महिलाओं के बैंक खाते खुले, बड़ी संख्या में महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं और सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ उन्हें मिला। उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, मातृत्व अवकाश में वृद्धि जैसे कदमों ने महिलाओं के जीवन स्तर में व्यापक सुधार किया है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर लगभग 46 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व यह दर्शाता है कि महिलाओं को अवसर मिलने पर वे प्रभावी नेतृत्व प्रदान करती हैं। अब यही मॉडल संसद और विधानसभाओं में लागू होगा, जिससे नीति निर्माण अधिक जन-केंद्रित और जवाबदेह बनेगा। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 केवल आरक्षण का प्रावधान नहीं है, बल्कि यह सामाजिक न्याय, समान अवसर और सशक्त लोकतंत्र की दिशा में एक व्यापक सुधार है। विकसित भारत 2047 का सपना महिला नेतृत्व के बिना अधूरा है। उन्होंने कहा कि जब नारी सशक्त होती है, तो समाज सशक्त होता है और जब समाज सशक्त होता है, तो राष्ट्र मजबूत होता है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत के उज्ज्वल, समावेशी और सशक्त भविष्य की आधारशिला है। इस अवसर पर महिला आयोग की अध्यक्ष बबिता चौहान, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना उपाध्याय एवं महिला मोर्चा कि प्रदेश मंत्री ममता पाण्डेय भी उपस्थित रहीं।

युवक ने खुद को लगाई आग गर्लफ्रेंड को डराने के लिए बना रहा था वीडियो

जयपुर (हिंस)। कालवाड़ थाना क्षेत्र में एक युवक ने गर्लफ्रेंड को डराने के लिए खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। इस घटना में युवक करीब 45 प्रतिशत तक झुलस गया। जिसे गंभीर हालत में एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिसका फिलहाल इलाज चल रहा है। एसीपी (झोटवाड़ा) आलोक कुमार सैनी ने बताया कि कालवाड़ निवासी 23 वर्षीय युवक ने शनिवार देर रात को शराब के नशे में घर के पास स्थित एक मंदिर के पास बैठकर मोबाइल में वीडियो रिकॉर्ड करते हुए सुसाइड का नाटक कर रहा था, ताकि वह वीडियो अपनी गर्लफ्रेंड को भेजकर उसे डरा सके। वीडियो बनाते समय युवक ने पहले अपने ऊपर पेट्रोल डाल लिया। इसके बाद जैसे ही उसने माचिस जलाई, उसकी टी-शर्ट पर लगे पेट्रोल ने आग पकड़ ली और देखते ही देखते वह लपटों में घिर गया।

राजस्थान सेवारत चिकित्सक संघ ने मनाई हैनिमैन जयंती

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान सेवारत चिकित्सक संघ जोधपुर के तत्वावधान में होम्योपैथी के जनक डॉ. सैमुअल हैनिमैन की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। इस अवसर पर जिले भर के चिकित्सकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के महत्व को उजागर किया। कार्यक्रम में संघ के संरक्षक डॉ. अर्जुन सिंह राजपुरोहित की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. हैनिमैन द्वारा स्थापित होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति आज भी समाज के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रभावी सिद्ध हो रही है। संघ की सचिव डॉ. प्रियंका नरूका ने अपने संबोधन में कहा कि होम्योपैथी चिकित्सा प्रणाली सरल, सुलभ और बिना दुष्प्रभाव के उपचार प्रदान करने वाली पद्धति है, जिसे जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। संघ की प्रवक्ता डॉ. काजल वर्मा ने होम्योपैथी के प्रचार-प्रसार पर जोर

दिया। वहीं उपाध्यक्ष डॉ. रेणुका मेघवाल एवं डॉ. अनामिका परिहार ने संगठन की गतिविधियों और समाज सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. रोजलीना ने कहा कि होम्योपैथी रोग के मूल कारण को समाप्त कर शरीर की प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। डॉ. ममता सेजू ने अपने विचार रखते हुए बताया कि यह पद्धति सुरक्षित, किफायती और दीर्घकालिक लाभ देने वाली है। वहीं डॉ. रेणुका मेघवाल ने कहा कि होम्योपैथी बिना किसी दुष्प्रभाव के प्रभावी उपचार प्रदान करती है और आज के समय में इसकी प्रासंगिकता लगातार बढ़ रही है। कार्यक्रम में डॉ. यामिनी, डॉ. ज्योति, डॉ. गरिमा, डॉ. भावना, डॉ. राकेश, डॉ. रश्मि, डॉ. मोनिका सहित अनेक चिकित्सक उपस्थित रहे।

दंपति को बंधक बनाकर लूटपाट करने वालों की पुलिस ने करवाई परेड

सिरसा (हिंस)। सिरसा जिले के गांव ढुकड़ा में दंपति को बंधक बनाकर लूटपाट करने के आरोप में पकड़े गए तीन आरोपियों की शनिवार को गांव जामल में परेड निकाली। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गांव के बस अड्डा से लेकर में पूरे गांव में घुमाया। गौरतलब है कि पुलिस ने गांव ढुकड़ा में हुई लूट की वारदात को सुलझा लिया है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जमाल पुलिस चौकी प्रभारी ने बताया कि ढुकड़ा निवासी गोपीराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि तीन नकाबपोश युवक उसकी ढाणी में घुस आए। आरोपियों ने उसे और उसकी पत्नी के साथ मारपीट की तथा दोनों को कमरे में बंधक बना दिया। इसके बाद आरोपियों ने घर की तलाशी ली, लेकिन कोई कीमती सामान न मिलने पर उसकी पत्नी के कानों की बालियां और नाक का कोका छीन लिया।

नियम-कानून से नहीं चल रहा विपक्ष, संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना गलत : केशव मौर्य

आजमगढ़ (हिंस)। कप्तानगंज क्षेत्र के बड़सरा खालसा गांव में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा एमएलसी विजय बहादुर पाठक के आवास पहुंचकर उनके पिता स्व. राधेश्याम पाठक को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बड़सरा खालसा स्थित भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व एमएलसी विजय बहादुर पाठक के आवास पहुंचे, जहां उन्होंने उनके पिता स्वर्गीय राधेश्याम पाठक को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मतदाता सूची (एसआईआर) के मुद्दे पर सपा द्वारा उठाए जा रहे सवालों को अनर्गल बताते हुए कहा कि विपक्ष नियम-कानून से नहीं चल रहा है। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची में केवल उन्हीं लोगों के नाम हटाए गए हैं, जो मृतक हैं या स्थानांतरित हो चुके हैं, साथ ही कुछ घुसपैठियों के नाम भी सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति का नाम छूट गया है तो उसके लिए फॉर्म-6 की सुविधा उपलब्ध है, जबकि संशोधन और विलोपन के लिए फॉर्म-7 और 8 भी भरे जा सकते हैं। इसके बावजूद समाजवादी पार्टी संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल खड़ा कर रही है और अपने समर्थकों को फॉर्म भरवाने के लिए प्रेरित नहीं कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक मजबूत संगठन वाली पार्टी है, जो बूथ स्तर तक सक्रिय है। जिन क्षेत्रों में भाजपा समर्थकों के नाम सूची से कटे हैं, वहां पार्टी कार्यकर्ता उन्हें पुनः जुड़वाने का कार्य करेंगे। धुरंधर पोस्टर विवाद पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी जैसे बड़े अपराधियों को किसने संरक्षण दिया, यह सभी जानते हैं। महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी लंबे समय तक सत्ता में रही, लेकिन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला आरक्षण लागू किया गया, जिससे महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ेगा। साथ ही *लखपति दीदी* जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल की राजनीति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि वहां भी भाजपा का कमल खिलने जा रहा है। वहीं ओम प्रकाश राजभर द्वारा निषाद पार्टी की सीट मांगने के सवाल पर उन्होंने इसे गठबंधन का विषय बताते हुए कहा कि चुनाव के समय इस पर निर्णय लिया जाएगा।

जनगणना में जनभागीदारी जरूरी, मुख्यमंत्री नीतीश बोले

राष्ट्रीय कार्य में सहयोग करेगा बिहार

पटना (हिंस)। भारत की जनगणना-2027 के पहले चरण मकान सूचीकरण एवं आवास गणना को लेकर बिहार में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनगणना को राष्ट्रीय महत्व का कार्य बताते हुए कहा है कि इसमें जनभागीदारी बेहद जरूरी है और बिहार के लोग इसमें बढ़-चढ़कर सहयोग करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अनुसार जनगणना इस बार डिजिटल और व्यापक तरीके से दो चरणों में कराई जाएगी। पहले चरण में 17 अप्रैल 2026 से 01 मई 2026 तक नागरिक वेब पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद 02 मई से 31 मई 2026 के बीच प्रगणक घर-घर जाकर तय 33 सवालों के आधार पर जानकारी एकत्र करेंगे। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि जनगणना के दौरान पूछे

जाने वाले सभी प्रश्नों का सही उत्तर देना अनिवार्य है। यह पूरी प्रक्रिया जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत संचालित की जा रही है। जनगणना में शामिल 33 प्रश्नों को चार प्रमुख भागों में विभाजित किया गया है। पहले भाग में मकान से जुड़े सवाल होंगे, जिनमें मकान संख्या, फर्श, दीवार और छत की सामग्री, उपयोग और स्थिति जैसी जानकारी ली जाएगी। दूसरे भाग में परिवार से संबंधित प्रश्न शामिल हैं, जैसे परिवार के सदस्यों की संख्या, मुखिया का नाम, लिंग, जाति, मकान का स्वामित्व और कमरों की संख्या। तीसरे भाग में जल, स्वच्छता और ऊर्जा से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे। इसमें पेयजल का स्रोत, बिजली, शौचालय, गंदे पानी का निकास, स्नानघर, रसोई ईंधन और भोजन से जुड़ी जानकारी शामिल है। वहीं चौथे भाग में घरेलू उपकरण और सुविधाओं का आकलन किया जाएगा, जिसमें टीवी, इंटरनेट, मोबाइल, कंप्यूटर और वाहन आदि की उपलब्धता से जुड़े सवाल होंगे। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े भविष्य की योजनाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी नीतियां इन्हीं आंकड़ों के आधार पर तय की जाती हैं। उन्होंने कहा कि जनगणना-2027 डिजिटल माध्यम से पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसमें नागरिकों की सक्रिय भागीदारी ही इसकी सफलता की कुंजी होगी।

शापूरजी पलोनजी की टाटा संस को लिस्ट करने की मांग तेज

कहा- नियमों के पालन के साथ पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए जरूरी कदम

नई दिल्ली

शापूरजी पलोनजी मिस्त्री ने एक बार फिर टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की मांग उठाई है। उन्होंने इसे जनहित और बेहतर कारपोरेट गवर्नेंस के लिए अहम बताया। शापूरजी पलोनजी (एसपी) समूह के चेयरमैन शापूरजी पलोनजी मिस्त्री ने कहा कि टाटा संस की लिस्टिंग अब समय की मांग है। उन्होंने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक से निर्णायक कदम उठाने की उम्मीद जताई। मिस्त्री ने अपने बयान में कहा कि अब तक ऐसा कोई ठोस और प्रमाण आधारित तर्क सामने नहीं आया है, जिससे यह साबित हो सके कि टाटा संस के सूचीबद्ध होने से टाटा ट्रस्ट्स के हितों को नुकसान होगा या उसके लाभार्थियों को सेवा देने की क्षमता प्रभावित होगी। यह बयान ऐसे समय में आया है जब टाटा ट्रस्ट्स के भीतर भी इस मुद्दे पर मतभेद की खबरें सामने आ रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रस्टी वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह लिस्टिंग के पक्ष में हैं, जबकि चेयरमैन नोएल टाटा इसके विरोध में बताए जा रहे हैं। मिस्त्री ने जोर देते हुए कहा कि टाटा संस का सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होना केवल नियामकीय जरूरत नहीं, बल्कि एक जरूरी प्रगति है। इससे कंपनी के संचालन में पारदर्शिता बढ़ेगी, जवाबदेही मजबूत होगी और कारपोरेट गवर्नेंस को नया आयाम मिलेगा।

सेबी ने व्यापार में सुगमता और साइबर सुरक्षा के लिए लान्च किए तीन नए आईटी प्लेटफार्म

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ईज आफ डूइंग बिजनेस (व्यापार में सुगमता) को बढ़ावा देने और साइबर सुरक्षा की निगरानी को मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। सेबी अध्यक्ष ने 24 मार्च को तीन नए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्लेटफार्म लान्च किए हैं, जिनकी आधिकारिक जानकारी शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। ये प्लेटफार्म नियामक संस्थाओं के साथ संचार को सुव्यवस्थित करने और न्यायिक कार्यवाही को पूरी तरह से डिजिटल बनाने का काम करेंगे। क्या हैं ये तीन नए प्लेटफार्म और इनका असर इस नई पहल के तहत ई-एडज्यूडिकेशन पोर्टल और साइबर-सेक आडिट कंप्लायंस को लान्च किया गया है। इन तकनीकी सुधारों से सेबी-विनियमित संस्थाओं की कार्यप्रणाली में बड़ी पारदर्शिता आएगी। सिंगल यूनिवर्सल प्लेटफार्म फार कम्युनिकेशंस सेबी के साथ होने वाली पारंपरिक ईमेल-आधारित बातचीत की जगह लेगा। सेबी ने स्पष्ट किया है कि यह बदलाव सुनिश्चित करता है कि आगे चलकर बाहरी संस्थाओं के साथ सभी संचार सेबी और संस्था दोनों के लिए आसानी से उपलब्ध रहें।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में ईंधन की कीमतों में बड़ी कटौती, 135 रुपए तक घटे दाम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने आम जनता को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में भारी कटौती की घोषणा की है। नई दरें 11 अप्रैल से लागू हो गई हैं। पेट्रोल, डीजल, केरोसिन और लाइट डीजल आयल सभी के दामों में उल्लेखनीय कमी की गई है, जिससे परिवहन और कृषि क्षेत्र पर खर्च का बोझ कम होने की उम्मीद है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार पेट्रोल की कीमत में 11.83 रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है, जिसके बाद नई कीमत 366.58 रुपये प्रति लीटर तय हुई है। वहीं डीजल के दाम में 134.81 रुपये प्रति लीटर की भारी कटौती की गई है और अब यह 385.54 रुपये प्रति लीटर में उपलब्ध होगा। इसके अलावा केरोसिन तेल की कीमत में 17.33 रुपये की कमी की गई है, जिससे इसकी नई दर 450.15 रुपये प्रति लीटर हो गई है। लाइट डीजल आयल भी 25.31 रुपये सस्ता होकर 369.72 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का पूरा लाभ जनता तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार ने राहत का कोई हिस्सा राजस्व या अन्य खर्चों में उपयोग करने के बजाय सीधे जनता को देने का निर्णय लिया है। सरकार का कहना है कि किसानों को राहत देना प्राथमिकता है ताकि उत्पादन लागत घटे और कृषि क्षेत्र को मजबूती मिले। इसके साथ ही ट्रांसपोर्ट और मोटरसाइकिल उपयोगकर्ताओं के लिए सब्सिडी जारी रखने की भी बात कही गई है।

वेदांत का ओडिशा में बड़ा दांव, एल्युमीनियम पार्क में दो कंपनियों से करार

नई दिल्ली। वेदांत लिमिटेड ने ओडिशा के झारसुगुड़ा में अपने प्रस्तावित एल्युमीनियम पार्क के लिए दो कंपनियों के साथ समझौते कर डाउनस्ट्रीम औद्योगिक गतिविधियों की दिशा में अहम कदम बढ़ाया है। देश की अग्रणी एल्युमीनियम उत्पादक वेदांत लिमिटेड ने सिंगल स्टील एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड और स्कट एल मेटाकोन प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। ये करार झारसुगुड़ा स्थित कंपनी के आगामी एल्युमीनियम पार्क में एल्युमीनियम-आधारित विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए किए गए हैं। यह समझौता पार्क में डाउनस्ट्रीम औद्योगिक गतिविधियों की औपचारिक शुरुआत का संकेत देता है। दिसंबर 2022 में आधारशिला रखे जाने के बाद यह पहला मौका है जब इस परियोजना के तहत कंपनियों के साथ साझेदारी की गई है। करीब 253 एकड़ में प्रस्तावित वेदांत एल्युमीनियम पार्क के पहले चरण में 56 एकड़ क्षेत्र विकसित किया जा चुका है, जहां डाउनस्ट्रीम उद्योग स्थापित किए जाएंगे। इस पार्क को पर्यावरण-अनुकूल औद्योगिक क्लस्टर के रूप में विकसित किया जा रहा है। कंपनी के अनुसार, यह परियोजना री-मेल्टिंग की आवश्यकता को कम करेगी और लाजिस्टिक्स लागत घटाएगी, जिससे हर साल लगभग 60,000 से 70,000 टन तक कार्बन उत्सर्जन में कमी आने की उम्मीद है।

जयप्रकाश एसोसिएट्स की कहानी देती है प्रेरणा और चेतावनी

नई दिल्ली। इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की कभी पहचान रही जयप्रकाश एसोसिएटेस आज इतिहास के एक बड़े उतार-चढ़ाव की मिसाल बन चुकी है। यह कंपनी आखिरकार कर्ज के बोझ तले दबकर दिवालिया हो गई और अब अडानी ग्रुप का हिस्सा बन चुकी है। इस कंपनी के संस्थापक जयप्रकाश गौर, जिनकी कहानी प्रेरणा और चेतावनी दोनों देती है। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में जन्मे जयप्रकाश गौड़ ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद सरकारी सिंचाई विभाग में नौकरी शुरू की। हालांकि, कुछ अलग और बड़ा करने की चाह ने उन्हें नौकरी छोड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महज 10 हजार रुपये की पूंजी से ठेकेदारी का काम शुरू किया और धीरे-धीरे छोटे प्रोजेक्ट्स से आगे बढ़ते हुए बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स हासिल करने लगे। 1970 और 1980 के दशक में कंपनी ने हाइड्रोपावर और नदी घाटी परियोजनाओं में अपनी मजबूत पहचान बनाई। समय के साथ जेपी ग्रुप ने पावर, सीमेंट, रियल एस्टेट और हास्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में भी विस्तार किया। 2000 के दशक तक कंपनी का प्रभाव चरम पर था और 2007 में इसका मार्केट कैप 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया था। कंपनी को बड़ा मोड़ तब मिला, जब उसे यमुना एक्सप्रेसवे बनाने का ठेका मिला। यह 165 किलोमीटर लंबा प्रोजेक्ट ग्रेटर नोएडा से आगरा तक फैला था और इसके साथ कंपनी को बड़े पैमाने पर रियल एस्टेट डेवलपमेंट का अधिकार भी मिला।

आरबीआई का प्रस्ताव : 1 लाख करोड़ से अधिक परिसंपत्ति वाली एनबीएफसी होंगी अपर लेयर में

नई दिल्ली

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के वर्गीकरण ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव का प्रस्ताव दिया है। प्रस्ताव के अनुसार अब एनबीएफसी को उनकी परिसंपत्ति (एसेट साइज) के आधार पर अपर लेयर में रखा जाएगा, जिससे मौजूदा जटिल मूल्यांकन प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाया जा सके। इस मसौदे पर हितधारकों से 4 मई तक सुझाव मांगे गए हैं। रतीय रिज़र्व बैंक ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए मौजूदा स्केल बेस्ड रेगुलेटरी (एसबीआर) ढांचे में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव जारी किया है। इस प्रस्ताव के तहत सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब अपर लेयर एनबीएफसी की पहचान के लिए जटिल स्कोरिंग माडल की जगह केवल परिसंपत्ति आधारित मानदंड अपनाया जाएगा। आरबीआई के अनुसार जिन एनबीएफसी की परिसंपत्ति 1 लाख करोड़ रुपए या उससे अधिक होगी, उन्हें उनकी नवीनतम आडिटेड बैलेंस शीट के आधार पर सीधे अपर लेयर श्रेणी में रखा जाएगा। इसके अलावा यदि सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीएफसी इस परिसंपत्ति सीमा को पार करती हैं, तो उन्हें भी इस श्रेणी में शामिल किया जाएगा। वर्तमान में ऐसी कई संस्थाएं बुनियादी या मध्य स्तर में वर्गीकृत रहती हैं। अभी तक अपर लेयर एनबीएफसी की पहचान एक द्विआयामी पद्धति के आधार पर होती है, जिसमें मात्रात्मक और गुणात्मक मापदंड शामिल हैं। इस प्रणाली में लगभग 70 प्रतिशत भार मात्रात्मक और 30 प्रतिशत गुणात्मक संकेतकों को दिया जाता है। हालांकि आरबीआई का मानना है कि यह ढांचा जटिल है और इसे सरल बनाना आवश्यक है ताकि नियमन अधिक पारदर्शी और प्रभावी हो सके। फिलहाल लगभग 15 एनबीएफसी को अपर लेयर में रखा गया है। इनमें बजाज फाइनेंस, श्रीराम फाइनेंस, एलएंडटी फाइनेंस, टाटा कैपिटल, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी, महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज, आदित्य बिड़ला फाइनेंस, मुथूट फाइनेंस, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज, बजाज हाउसिंग फाइनेंस, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस और टाटा संस जैसे बड़े नाम शामिल हैं। आरबीआई ने जनवरी 2025 में जारी सूची में स्पष्ट किया था कि टाटा संस को अपर लेयर में शामिल करना उसके पंजीकरण रद्द करने के आवेदन की प्रक्रिया पर कोई असर नहीं डालेगा, जो अभी समीक्षा में है। इस नए प्रस्ताव के लागू होने पर सरकारी क्षेत्र की एनबीएफसी को भी अपर लेयर में शामिल किए जाने से इस श्रेणी की संस्थाओं की संख्या बढ़ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव वित्तीय प्रणाली में निगरानी को अधिक मजबूत बनाएगा और बड़े संस्थानों पर नियामकीय नियंत्रण और प्रभावी होगा। इक्रा के अनुसार, इससे एनबीएफसी क्षेत्र में वर्गीकरण अधिक स्पष्ट और सरल हो सकेगा।

अंबात्तूर इंडस्ट्रियल एस्टेट पर एलपीजी संकट की मार, उत्पादन पर खतरा

नई दिल्ली। चेन्नई का प्रमुख औद्योगिक केंद्र अंबात्तूर इंडस्ट्रियल एस्टेट इन दिनों गंभीर एलपीजी संकट से जूझ रहा है। गैस की कमी और बढ़ती कीमतों ने खासकर हीट ट्रीटमेंट उद्योगों की कमर तोड़ दी है, जिससे उत्पादन और आपूर्ति दोनों प्रभावित हो रहे हैं। करीब 1,800 इकाइयों वाला यह क्षेत्र, जो चेन्नई की आटोमोबाइल पहचान को मजबूत करता है, अब एलपीजी की कमी से जूझ रहा है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की आपूर्ति बाधित हुई है, जिसका सबसे अधिक असर हीट ट्रीटमेंट उद्योगों पर पड़ा है। इन इकाइयों के लिए एलपीजी कोई विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्य ईंधन है। एक स्थानीय उद्योगपति के अनुसार, उनकी इकाई पहले हर महीने लगभग 150 सिलिंडर इस्तेमाल करती थी, जो अब घटकर 100 रह गई है। पहले जहां 10 दिनों का स्टाक रहता था, अब वह पूरी तरह खत्म हो चुका है। गैस की कमी के चलते उत्पादन बनाए रखना भी चुनौती बन गया है। स्थिति को और गंभीर बनाती है बढ़ती लागत। 19 किलोग्राम का एलपीजी सिलिंडर, जो पहले करीब 1,500 रुपये में मिलता था, अब 3,000 रुपये तक पहुंच गया है। इससे उत्पादन लागत दोगुनी हो गई है और मुनाफा घट गया है।

भारत बनाएगा 10 करोड़ डालर का समुद्री बीमा कोष

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के चलते समुद्री व्यापार पर संकट गहराता जा रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए भारतीय बीमा और पुनर्बीमा कंपनियां एक विशेष समुद्री बीमा कोष बनाने की योजना पर काम कर रही हैं। इसी पृष्ठभूमि में भारतीय सामान्य बीमा और पुनर्बीमा कंपनियां करीब 10 करोड़ डालर का समुद्री बीमा कोष तैयार करने पर विचार कर रही हैं।

इस कोष का प्रबंधन जनरल इंश्योरेंस कारपोरेशनप आफ इंडिया (जीआईसी) द्वारा किया जाएगा, जिसमें समुद्री बीमा से जुड़ी अन्य कंपनियां भी भाग लेंगी। सूत्रों के अनुसार इस कोष को मजबूत बनाने के लिए सरकार संप्रभु गारंटी देने पर भी विचार कर सकती है। बीमा कंपनियां फरवरी 2026 तक समुद्री बीमा प्रीमियम का लगभग 8 प्रतिशत हिस्सा इसमें योगदान करने पर चर्चा कर रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सामान्य समुद्री बीमा युद्ध संबंधी जोखिमों को कवर नहीं करता, जिसके लिए अलग से वार-रिस्क कवर लेना पड़ता है। मौजूदा हालात में यह कवर महंगा और सीमित हो गया है। पहले जहां इसका प्रीमियम 0.25 प्रतिशत था, वहीं अब यह बढ़कर 0.5 से 1 प्रतिशत तक पहुंच गया है। पश्चिम एशिया में अस्थिरता के चलते कई बीमा कंपनियों ने जहाजों के लिए कवर रद्द करने तक के नोटिस जारी किए हैं। वहीं शिपिंग कंपनियां वैकल्पिक मार्गों की तलाश कर रही हैं या सेवाएं रोक रही हैं। प्रस्तावित बीमा कोष जोखिम को साझा कर बड़े नुकसान की भरपाई में मदद करेगा और भविष्य में इस तरह के संकटों से निपटने में अहम भूमिका निभा सकता है।

युद्ध जोखिम बढ़ने से महंगा हुआ बीमा, निर्यातकों को राहत देने की तैयारी

मार्च 2026 में महिंद्रा ने दर्ज की 25प्रतिशत की मजबूत वृद्धि

नई दिल्ली। मार्च 2026 बिक्री के लिहाज से महिंद्रा एंड महिंद्रा के लिए यह शानदार महीना रहा। कंपनी ने मार्च महीने में कुल 60,272 गाड़ियां बेचकर सालाना आधार पर 25प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की। महिंद्रा स्कार्पियो माडल एक बार फिर कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी बनकर उभरी, जिसने थार और बोलेरो जैसे लोकप्रिय माडलों को भी पीछे छोड़ दिया। स्कार्पियो की 14,578 यूनिट्स बिकीं, जो मार्च 2025 के मुकाबले 5प्रतिशत ज्यादा है। थार ने 10,872 यूनिट्स की बिक्री के साथ 22प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की, जबकि बोलेरो ने भी 9,788 यूनिट्स बेचकर 22प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। कंपनी की नई एक्सयूवी 7एक्स0 ने 9,210 यूनिट्स और एक्सयूवी 3एक्स0 ने 9,199 यूनिट्स की बिक्री के साथ अच्छा प्रदर्शन किया।

कैफे-3 मानदंडों में बड़ा बदलाव : हाइब्रिड कारों के लिए सुपर क्रेडिट में कटौती की तैयारी

बीईई घटाएगा सुपर क्रेडिट, इलेक्ट्रिक वाहनों को मिलेगा ज्यादा फायदा

नई दिल्ली

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) कैफे-3 मानदंडों के तहत हाइब्रिड और फ्लेक्स फ्यूल वाहनों को मिलने वाले लाभ में कटौती की तैयारी कर रहा है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा मिलने की संभावना है। बीईई आगामी कारपोरेट औसत ईंधन दक्षता (कैफे-3) मानदंडों में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। प्रस्तावित बदलाव के तहत स्ट्रान्ग हाइब्रिड और फ्लेक्स फ्यूल वाहनों के लिए वाल्यूम डेरोगेशन फैक्टर (वीडीएफ) में भारी कटौती की योजना है, जिसे उद्योग में सुपर क्रेडिट के रूप में जाना जाता है। यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को तेजी से बढ़ावा देना चाहता है। नए कैफे-3 मानदंड अप्रैल 2027 से लागू हो सकते हैं और पांच वर्षों तक प्रभावी रहेंगे। कैफे नियमों के तहत वाहन निर्माताओं को अपने कुल बेड़े के औसत कार्बन उत्सर्जन को तय सीमा के भीतर रखना होता है। इसमें ज्यादा बिकने वाले माडलों का प्रभाव अधिक होता है। मौजूदा कैफे-2 नियमों में स्ट्रान्ग हाइब्रिड वाहनों के लिए वीडीएफ 2.0 है, जिसे नए मसौदे में घटाकर 1.6 कर दिया गया है। वहीं फ्लेक्स फ्यूल वाहनों के लिए यह 1.5 से घटाकर 1.1 प्रस्तावित किया गया है। इसके विपरीत, इलेक्ट्रिक वाहनों को 3.0 का गुणक मिलता रहेगा, जिससे उन्हें स्पष्ट बढ़त मिलेगी। इस बदलाव से हाइब्रिड वाहनों का लाभ कम हो जाएगा और कंपनियों को अपने पोर्टफोलियो में ईवी का हिस्सा बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नीतिगत बदलाव भारत के आटो सेक्टर को स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से मोड़ सकता है और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लक्ष्य को हासिल करने में मददगार साबित होगा।

टोयोटा हायराइडर ने हासिल किया शीर्ष स्थान

नई दिल्ली

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के लिए मार्च 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए टोयोटा हायराइडर ने कंपनी के सबसे ज्यादा बिकने वाले माडल के रूप में शीर्ष स्थान हासिल किया। हायराइडर ने बीते महीने कुल 10,206 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो सालाना आधार पर 93प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि को दर्शाता है। इसने लंबे समय से टाप पर रही टोयोटा इनोवा को पीछे छोड़ दिया। यह आंकड़ा मार्च 2025 में बेची गई 5,286 यूनिट्स से कहीं अधिक है। भारतीय बाजार में टोयोटा हायराइडर की एक्स-शोरूम कीमत 11.34 लाख रुपये से शुरू होकर 20.16 लाख रुपये तक जाती है, और यह लगभग 28 किलोमीटर प्रति लीटर का प्रभावशाली माइलेज प्रदान करती है। टोयोटा हायराइडर का मुकाबला हुंडई क्रेटा, मारुति ग्रैंड विटारा और किआ सेल्टोस जैसी लोकप्रिय मिड-साइज एसयूवी से होता है। दूसरे स्थान पर रही टोयोटा इनोवा (जिसमें हायक्रास और क्रिस्टा शामिल हैं) ने 3प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ कुल 10,156 यूनिट्स की बिक्री की। टोयोटा रूमियन ने 117प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 3,893 यूनिट्स बेचकर तीसरे स्थान पर अपनी जगह बनाई, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। वहीं, टोयोटा फार्च्यूनर ने 12प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3,795 यूनिट्स बेचीं और ग्लैंजा 3,470 यूनिट्स के साथ पांचवें नंबर पर रही। टोयोटा टैसर, हीलक्स, वेलफेयर और लैंड क्रूजर 300 जैसी अन्य कारों की बिक्री में गिरावट देखी गई, जबकि कैमरी की बिक्री में मामूली वृद्धि दर्ज हुई।

मारुति डिजायर बनी सबसे ज्यादा बिकने वाली कार

नई दिल्ली। मार्च 2026 में मारुति सुजुकी डिजायर ने एक बार फिर सबको चौंकाया है। कंपनी की डिजायर कार ने सबसे ज्यादा बिकने वाली कार का खिताब अपने नाम कर लिया है। मारुति सुजुकी डिजायर ने कुल 21,224 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो सालाना आधार पर 37प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। इसने मारुति अर्टिगा, वैगनआर, स्विफ्ट और बलेनो जैसे कई लोकप्रिय माडलों को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय मार्केट में मारुति डिजायर की एक्स-शोरूम कीमत 5.65 लाख रुपये से शुरू होती है, जो इसे एक किफायती और आकर्षक विकल्प बनाती है। बिक्री सूची में दूसरे स्थान पर रही मारुति अर्टिगा ने 17,072 यूनिट्स की बिक्री की, जबकि मारुति वैगनआर 17,025 यूनिट्स के साथ तीसरे स्थान पर रही, दोनों ही शीर्ष स्थान के बेहद करीब थीं। मारुति बलेनो ने 33प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 16,393 यूनिट्स और मारुति ब्रेजा ने 16,130 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जिससे ये दोनों शीर्ष पांच में शामिल रहीं। फ्रोंक्स (15,540 यूनिट्स) और आल्टो (11,515 यूनिट्स) की बिक्री में भी अच्छी वृद्धि देखी गई। हालांकि, मारुति स्विफ्ट की बिक्री में 18प्रतिशत की गिरावट आई और यह 14,545 यूनिट्स पर सिमट गई। वहीं, सेलेरियो और इग्निस की बिक्री में भी क्रमश: 40प्रतिशत और 34प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। जिम्नी ने 151प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि के साथ 656 यूनिट्स बेचीं, जबकि एस-प्रेसो और इनविक्टो की बिक्री में गिरावट देखी गई।

बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप : आयुष शेट्टी ने विश्व नंबर एक कुनलावुत वितिदसार्न को हराकर रचा इतिहास

फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय बने

नई दिल्ली

बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के पुरुष एकल वर्ग में भारत के युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ा उलटफेर किया। उन्होंने शनिवार को मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर एक कुनलावुत वितिदसार्न को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ आयुष इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के पुरुष एकल फाइनल में पहुंचने वाले केवल दूसरे भारतीय बन गए हैं।

इससे पहले भारत के लिए इस प्रतियोगिता में दिनेश खन्ना ने वर्ष 1965 में स्वर्ण पदक जीता था। उसके बाद सुरेश गोयल, प्रकाश पादुकोण, पुलेला गोपीचंद, अनुप श्रीधर और एच. एस. प्रणय ने अलग-अलग वर्षों में कांस्य पदक हासिल किया था, लेकिन कोई भी खिलाड़ी फाइनल तक नहीं पहुंच सका।

विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज आयुष ने यह मुकाबला एक घंटे पंद्रह मिनट में 10-21, 21-19 और 21-17 से जीता। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना चीन के शि यू ची या चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन में से किसी एक खिलाड़ी से होगा।

यह आयुष और वितिदसार्न के बीच दूसरी भिड़ंत थी। पिछली बार दोनों का सामना आर्कटिक ओपन में हुआ था, जिसमें थाई खिलाड़ी ने जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले में भी वितिदसार्न ने पहला गेम आसानी से अपने नाम किया, लेकिन इसके बाद आयुष ने जबरदस्त वापसी की।

दूसरे गेम में आयुष ने मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और बढ़त हासिल की। हालांकि विरोधी खिलाड़ी ने वापसी की कोशिश की, लेकिन आयुष ने निर्णायक अंक लेकर मुकाबले को तीसरे गेम तक पहुंचाया। अंतिम गेम में आयुष ने शुरू से ही बढ़त बनाए रखी और शानदार स्मैश के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

इससे पहले आयुष ने शुरुआती दौर में विश्व नंबर सात ली शी फेंग को हराया था। उसके बाद उन्होंने ची यू जेन को सीधे गेमों में पराजित किया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने विश्व नंबर चार जोनाथन क्रिस्टी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

न्यूज़ ब्रीफ

बीएचयू दक्षिणी परिसर में राष्ट्रीय स्तर के कार्यशाला में साफ्टबाल' की नवीनतम नियमों पर प्रशिक्षण

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के राजीव गांधी दक्षिण परिसर (आर.जी.एस.सी.), बरकछा में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में दूसरे दिन शनिवार को साफ्टबाल' खेल के आफिशिएटिंग एवं कोचिंग तकनीक की प्रशिक्षकों एवं रेफरी को जानकारी दी गई। साफ्टबाल में उन्नत नियम व्याख्या, आफिशिएटिंग एवं कोचिंग तकनीक' विषयक कार्यशाला में भारत में साफ्टबाल के बढ़ते महत्व तथा वैज्ञानिक प्रशिक्षण एवं मानकीकृत आफिशिएटिंग के महत्व को बताया गया। दक्षिणी परिसर के आचार्य प्रभारी प्रो. बी.एम.एन.कुमार के अनुसार कार्यशाला का उद्देश्य खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं रेफरी की तकनीकी एवं व्यावहारिक दक्षताओं का विकास करना है। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का आयोजन स्पोर्ट्स बोर्ड, आर.जी.एस.सी., बी.एच.यू ने किया है। कार्यशाला के पहले दिन उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. ए. के. नेमा (महासचिव, स्पोर्ट्सबोर्ड, बी.एच.यू.) ने खेलों में अनुशासन, नियमों की समझ एवं प्रशिक्षित अधिकारियों की आवश्यकता पर बल दिया। उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथियों के रूप में आईसीएमआर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के पंकज सिंह तथा सेंट जोसेफ कालेज, बेंगलुरु के खेल निदेशक जितेंद्र मेवारा ने खेलों में वैज्ञानिक प्रशिक्षण एवं पेशेवर दृष्टिकोण पर खासा जोर दिया। आचार्य प्रभारी ने बताया कि कार्यशाला में दो दिन आफिशिएटिंग मैकेनिक्स, कोचिंग तकनीक, शारीरिक फिटनेस, प्रतियोगिता प्रबंधन, स्कोरिंग प्रणाली एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विस्तृत सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस प्रकार की कार्यशालाएं खेल संस्कृति को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उल्लेखनीय है कि साफ्टबाल, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में एक लोकप्रिय खेल है। आमतौर पर यह माना जाता है कि साफ्टबाल का विकास इंडोर बेसबाल नामक खेल से हुआ है, जो पहली बार खेला गया था। शिकागो में 1887 में इसका जन्म हुआ। साफ्टबाल का मूल बेसबाल के समान ही है। बल्लेबाजी और फील्डिंग की रणनीति भी समान है लेकिन साफ्टबाल बहुत छोटे मैदान पर खेला जाता है और एक मैच केवल सात पारियों का होता है।

ला लीगा: रियल मैड्रिड ने गिरोना के साथ ड्रा खेलकर अंक गंवाए, शीर्ष पर बार्सिलोना की बढ़त और मजबूत

मैड्रिड। स्पेन की शीर्ष फुटबाल प्रतियोगिता ला लीगा में खिताब की दौड़ और रोमांचक हो गई है। रियल मैड्रिड को गिरोना के खिलाफ 1-1 की बराबरी पर संतोष करना पड़ा, जिससे शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना को अपनी बढ़त और मजबूत करने का मौका मिल गया है। मुकाबले में पहला गोल दूसरे हाफ के छह मिनट बाद फेडेरिको वाल्वेर्दे ने किया, जिससे रियल को बढ़त मिली। हालांकि यह बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सकी और 62वें मिनट में थोमस लेमार ने शानदार गोल दागकर गिरोना को बराबरी दिला दी। इस परिणाम के बाद बार्सिलोना 76 अंकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड उससे छह अंक पीछे है और एक मुकाबला अधिक खेल चुका है। अब बार्सिलोना के पास अपनी बढ़त नौ अंकों तक पहुंचाने का शानदार अवसर है। रियल मैड्रिड ने इस मुकाबले में मजबूत टीम उतारी थी, क्योंकि उसे अगले सप्ताह एक अहम मुकाबला खेलना है, जिसमें पिछली हार की भरपाई करना जरूरी होगा।

रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहास: टी20 क्रिकेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बने

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में राजस्थान रॉयल्स के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस मुकाबले में जडेजा ने टी20 क्रिकेट में अपने 4000 रन पूरे किए और इसी के साथ वह टी20 फॉर्मेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ हार्दिक पांड्या ही हासिल कर पाए हैं। वैश्विक स्तर पर, जडेजा यह खास उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के 25वें खिलाड़ी बन गए हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता को दर्शाता है। इस मैच में जडेजा ने गेंदबाजी में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 2 ओवर के स्पेल में सिर्फ 14 रन खर्च किए और रोमारियो शेफर्ड का महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किया।

बांग्लादेश ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों के लिए टीम घोषित की

ढाका

बांग्लादेश की नई चयन समिति, जिसका नेतृत्व हबीबुल बशर कर रहे हैं, ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों के लिए शनिवार को 15 सदस्यीय वही टीम बरकरार रखी है, जिसने पिछले महीने घरेलू मैदान पर पाकिस्तान को दो-एक से हराया था। श्रृंखला के पहले दो मुकाबले 17 और 20 अप्रैल को ढाका में खेले जाएंगे, जबकि तीसरा मुकाबला 23 अप्रैल को चट्टोग्राम में होगा।

टीम की कमान मेहदी हसन मिराज़ के हाथों में होगी। हालांकि हाल की जीत के बावजूद कुछ बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर सवाल बने हुए हैं। सैफ़ हसन और अफ़ीफ़ हुसैन ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन पारियों में क्रमश: 17.33 और 19 की औसत से रन बनाए थे, जो उम्मीदों से कम रहे।

तेज़ गेंदबाज़ी विभाग में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। चयनकर्ताओं ने नाहिद राना, तस्कीन अहमद, मुस्तफ़िज़ुर रहमान और शोरिफुल इस्लाम पर भरोसा बरकरार रखा है। हाल के समय में गेंदबाज़ों को बदल-बदल कर खिलाने की नीति के विपरीत यह एक स्थिर संयोजन माना जा रहा है।

बांग्लादेश की टीम के पाँच खिलाड़ी इस समय पाकिस्तान में चल रही लीग में खेल रहे हैं। ये सभी खिलाड़ी बारह अप्रैल को राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे। रिपोर्टों के अनुसार, एकदिवसीय श्रृंखला समाप्त होने के बाद केवल मुस्तफ़िज़ुर रहमान ही वापस लीग में लौटेंगे। इसके बाद दोनों देशों के बीच तीन बीस-बीस ओवरों के मुकाबले भी खेले जाएंगे।

बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम इस प्रकार है:

मेहदी हसन मिराज़ (कप्तान), सौम्य सरकार, सैफ़ हसन, तंजीद हसन, नजमुल हुसैन शान्तो, तौहीद हृदोय, लिटन दास (विकेटकीपर), अफ़ीफ़ हुसैन, महिदुल इस्लाम, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, मुस्तफ़िज़ुर रहमान, तस्कीन अहमद, शोरिफुल इस्लाम और नाहिद राना।

प्रीमियर लीग: वेस्ट हैम की जीत से टाटेनहम रेलीगेशन क्षेत्र में, दे ज़ेर्बी को बचाव की उम्मीद

लंदन। इंग्लैंड की शीर्ष फुटबाल लीग प्रीमियर लीग में शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में वेस्ट हैम यूनाइटेड ने वूल्वरहैम्प्टन वांडरर्स को 4-0 से हरा दिया। इस नतीजे के बाद टाटेनहम हाटस्पर पहली बार इस सत्र में रेलीगेशन क्षेत्र में पहुंच गया है। टाटेनहम अब वेस्ट हैम से दो अंक पीछे है और उसका अगला मुकाबला रविवार को सुंदरलैंड से होगा। वेस्ट हैम की ओर से वैलेंटीन कास्टेलानोस ने दूसरे हाफ के मध्य में तीन मिनट के भीतर दो गोल दागे, जबकि हाफ टाइम से ठीक पहले कान्स्टैन्टिनोस माव्रोपानोस ने हेडर से टीम को बढ़त दिलाई थी। मैच के अंतिम चरण में कार्नर से आए मौके पर एक शानदार वाली के जरिए चौथा गोल दागा गया। इस हार के साथ वूल्व्स अंक तालिका में सबसे नीचे बने हुए हैं और उनके निचली लीग में जाने की संभावना लगभग तय मानी जा रही है। टाटेनहम के नए प्रबंधक राबर्टो दे ज़ेर्बी ने कहा कि उनकी टीम को रेलीगेशन से बचने के लिए साहस और आत्मविश्वास के साथ खेलना होगा। उन्होंने खिलाड़ियों से साफ रणनीति के साथ मैदान पर उतरने और बिना ज्यादा दबाव लिए अपना स्वाभाविक खेल दिखाने की अपील की। दे ज़ेर्बी ने कहा कि टीम को लड़ने का जज्बा, साहस और आक्रामकता दिखानी होगी। दे ज़ेर्बी को पाँच साल का अनुबंध दिया गया है और उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती टीम को रेलीगेशन से बचाना है। उन्होंने कहा कि क्लब की पहचान हमेशा आक्रामक फुटबाल और गोल करने की मानसिकता से जुड़ी रही है और वे उसी भावना को वापस लाना चाहते हैं। हाल ही में टाटेनहम ने अंतरिम कोच इगोर ट्यूडर को हटाया था, जिन्होंने केवल 44 दिन टीम की जिम्मेदारी संभाली। इससे पहले थामस फ्रैंक भी सिर्फ आठ महीने तक पद पर रहे थे। दे ज़ेर्बी ने दोनों को अच्छा कोच बताते हुए कहा कि वह अपनी शैली, व्यक्तित्व और जुनून के साथ टीम को सही दिशा देने की कोशिश करेंगे।

मास्टर्स गोल्फ़ प्रतियोगिता में रारी मैकइलराय की धमाकेदार बढ़त, अक्षय भाटिया बाहर

नई दिल्ली

आगस्टा में जारी प्रतिष्ठित मास्टर्स गोल्फ प्रतियोगिता के आधे चरण के बाद मुकाबले ने रोमांचक मोड़ ले लिया है। रारी मैकइलराय ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए छह शाट की रिकार्ड बढ़त बना ली है, जबकि अक्षय भाटिया निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कट पार करने में नाकाम रहे।

मैकइलराय ने दूसरे दौर में सात अंडर पैंसठ का बेहतरीन स्कोर बनाया और कुल बारह अंडर एक सौ बत्तीस के स्कोर के साथ शीर्ष पर मजबूत पकड़ बना ली। यह मास्टर्स के इतिहास में मध्य चरण तक की सबसे बड़ी बढ़त मानी जा रही है। अंतिम सात होल में उन्होंने छह बर्डी लगाकर बाकी खिलाड़ियों से बड़ी दूरी बना ली। उनके प्रदर्शन में अनुभव और दबाव में संयम साफ झलका। कुछ खराब टी-शाट के बावजूद उन्होंने समझदारी से खेलते हुए खुद को संभाला और छोटे शाट्स में बेहतरीन सटीकता दिखाई। अब वह ग्रीन जैकेट की ओर बढ़ते दिख रहे हैं और लगातार खिताब जीतने वाले महान खिलाड़ियों जैक निकलास, निक फाल्डो और टाइगर वुड्स की सूची में शामिल होने की राह पर हैं। दूसरे स्थान पर पैट्रिक रीड और सैम बर्न्स हैं, जो मैकइलराय से छह शाट पीछे हैं। रीड ने उनहत्तर का स्कोर बनाया लेकिन आखिरी होल में बोगी के कारण पिछड़ गए। वहीं सैम बर्न्स ने अंतिम दो होल में बर्डी लगाकर इकहत्तर का स्कोर किया। कट पार करने की होड़ में कई बड़े नाम बाहर हो गए, जिनमें अक्षय भाटिया सबसे प्रमुख रहे। पहले दौर में तिहत्तर के स्कोर के बाद उन्होंने दूसरे दौर में अच्छी शुरुआत की, लेकिन पिछले नौ होल में तीन डबल बोगी के कारण उनकी उम्मीदें टूट गईं। अंतिम होल पर डबल बोगी ने उनकी वापसी की सारी संभावनाएं खत्म कर दीं। आरोन राय ने कठिन दौर के बावजूद टूर्नामेंट में बने रहने में सफलता पाई। लगातार तीन बोगी के बाद उन्होंने लगातार सात पार खेलते हुए चौहत्तर का स्कोर बनाया और कुल एक ओवर के साथ बत्तीसवें स्थान पर रहे। जस्टिन रोज़, शेन लोवरी और टामी फ्लीटवुड पाँच अंडर के स्कोर के साथ चुनौती पेश कर रहे हैं। फ्लीटवुड ने अड़सठ के दौर में दो ईगल लगाए, जबकि रोज़ ने पुटिंग में संघर्ष के बावजूद उनहत्तर का स्कोर किया। ब्रायसन डीशैम्बो भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पहले दौर में छिहत्तर के बाद वह कट के आसपास थे।

पाकिस्तान सुपर लीग में नया विवाद

कराची। पाकिस्तान. पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में शुक्रवार को क्वेटा ग्लैडिएटर्स और रावलपिंडी पिंडीज के बीच खेले गए मुकाबले में एक अभूतपूर्व घटना देखने को मिली, जिसने क्रिकेट जगत में नए सिरे से बहस छेड़ दी है। न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक की गेंदबाजी एक्शन पर आपत्ति जताते हुए दो बार क्रीज छोड़ी, जिससे खेल रोकना पड़ा और अंपायरों को हस्तक्षेप करना पड़ा। यह घटना टी20 वर्ल्ड कप से पहले तारिक के विवादास्पद एक्शन को लेकर चल रही चर्चा के बीच हुई है। मिचेल ने अंपायरों के सामने उस्मान तारिक की संदिग्ध गेंद पर खेलने से किया इनकार नौवें ओवर में, जब उस्मान तारिक गेंदबाजी करने आए, तो मिचेल ने पहली गेंद पर एक पैडल स्वीप खेला। हालांकि, वह तारिक के गेंद छोड़ने से पहले लंबे ठहराव से असहज महसूस हुए। तारिक अपने रन-अप के बाद गेंद फेंकने से पहले एक लंबा पॉज लेते हैं, जिसके बाद वे घुटनों के बल जाकर गेंद डालते हैं। मिचेल ने इस देरी को लेकर दो बार स्पष्ट रूप से आपत्ति जताई और क्रीज छोड़कर गेंदबाज के एक्शन में रुकावट की ओर इशारा किया। इस अनोखी स्थिति को देखते हुए, अंपायरों को मैदान पर दखल देना पड़ा। उन्होंने मिचेल से बात की और स्थिति को शांत करने की कोशिश की, जिसके बाद खेल को दोबारा शुरू करने की अनुमति मिली।

पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट : खालसा एलुमनी और किरोड़ी मल कॉलेज की दमदार जीत

नई दिल्ली

पांचवें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट (पुरुष एवं महिला) के 5वें दिन शनिवार को रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। एसजीटीबी खालसा एलुमनी और किरोड़ी मल कॉलेज ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मैचों में जीत दर्ज की। यह प्रतियोगिता एसजीटीबी खालसा कॉलेज के मैदान पर खेली जा रही है।

पुरुष वर्ग के एक मुकाबले में किरोड़ी मल कॉलेज ने एमिटी यूनिवर्सिटी को 92-49 के बड़े अंतर से हराया। किरोड़ी मल कॉलेज के हार्दिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम की जीत में अहम योगदान दिया और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

एक अन्य मैच में एसजीटीबी खालसा एलुमनी ने रामजस कॉलेज को 81-60 से मात दी। खालसा एलुमनी के मुकेश ने बेहतरीन खेल दिखाया और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' का सम्मान मिला।

महिला वर्ग में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। गार्गी कॉलेज ने मैत्रेयी कॉलेज को 59-29 से हराकर दमदार जीत दर्ज की। गार्गी कॉलेज की कनिका को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला।

एक अन्य महिला मुकाबले में स्टनर्स अकादमी ने रामजस कॉलेज को 70-29 से पराजित किया। स्टनर्स अकादमी की रिदम को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

सब-जूनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप : फाइनल में मध्य प्रदेश की दोहरी दावेदारी

नई दिल्ली

राजगीर, बिहार में चल रही सोलहवीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। बारह अप्रैल को होने वाले फाइनल मुकाबलों के लिए मंच तैयार है। पुरुष वर्ग के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश का सामना उत्तर प्रदेश हॉकी से होगा, जबकि महिला वर्ग के खिताबी मुकाबले में हॉकी मध्य प्रदेश की टक्कर गत विजेता हॉकी झारखंड से होगी।

पुरुष वर्ग: अजेय टीमों की भिड़ंत

पुरुष वर्ग में दोनों टीमें अब तक अपराजित रही हैं। सेमीफाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश ने दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव हॉकी को चार-दो से हराया, जबकि उत्तर प्रदेश हॉकी ने पिछले साल की विजेता हॉकी पंजाब को छह-दो से मात दी। यह मुकाबला पिछले वर्ष के तीसरे स्थान के मुकाबले की पुनरावृत्ति भी है, जिसमें उत्तर प्रदेश विजयी रहा था। उत्तर प्रदेश हॉकी के शाहरुख अली इस प्रतियोगिता में चौदह गोल के साथ शीर्ष स्कोरर हैं, जबकि नीतीश यादव ने सात गोल दागे हैं, जिनमें सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए हैं। वहीं दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के धीरज पाल भी पांच गोल के साथ प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं। महिला वर्ग: खिताब के लिए कांटे की टक्कर महिला वर्ग के फाइनल में रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है। गत विजेता हॉकी झारखंड ने सेमीफाइनल में उत्तर प्रदेश हॉकी को दो-शून्य से हराया, जबकि हॉकी मध्य प्रदेश ने हॉकी ओडिशा को दो-एक से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। महिला वर्ग में हॉकी मध्य प्रदेश की नुशीन नाज़ नौ गोल के साथ शीर्ष स्कोरर हैं, जबकि हॉकी झारखंड की संदीपा कुमारी पांच गोल के साथ उनके पीछे हैं।

कांस्य पदक के लिए भी रोचक मुकाबले

महिला वर्ग में तीसरे स्थान के लिए हॉकी ओडिशा का मुकाबला उत्तर प्रदेश हॉकी से होगा। वहीं पुरुष वर्ग में दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव हॉकी का सामना हॉकी पंजाब से कांस्य पदक के लिए होगा। फाइनल मुकाबलों के साथ इस प्रतियोगिता का समापन रोमांचक अंदाज में होने की उम्मीद है, जहां देश की युवा प्रतिभाएं अपना दमखम दिखाने को तैयार हैं।

आलोचकों पर बरसे सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग, बताया रणनीति में बदलाव का कारण

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने आईपीएल में टीम के हालिया प्रदर्शन को लेकर उठ रही आलोचनाओं का करारा जवाब दिया है। उन पर आरोप लग रहे थे कि वे मौजूदा टी20 क्रिकेट की बदलती जरूरतों के हिसाब से खुद को ढाल नहीं पा रहे हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि वह पूरी तरह से खेल के नए आयामों से जुड़े हुए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच से पहले फ्लेमिंग ने अपनी बात रखते हुए स्वीकार किया कि खराब नतीजों के बाद आलोचना होना स्वाभाविक है, क्योंकि खेल में परिणाम ही लोगों की सोच तय करते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह आईपीएल से पहले खेल की दिशा से अनभिज्ञ नहीं हैं, बल्कि वह पूरे साल दुनिया भर के अलग-अलग टी20 टूर्नामेंट्स में कोचिंग देते हैं और खिलाड़ियों की नीलामी प्रक्रियाओं में भी शामिल रहते हैं। इससे उन्हें इस फॉर्मेट में हो रहे बदलावों और वैश्विक खिलाड़ियों की गहरी समझ है, जो आईपीएल में भी उनके काम आती है। फ्लेमिंग ने पिछले सीजन के प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए कहा, पिछले साल हम लय में नहीं थे, ये मैं खुद मानता हूं। लेकिन हमने जल्दी बदलाव किए हैं और अब टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं। मुझे इस ग्रुप पर पूरा भरोसा है। हालांकि, इस सीजन में हम इसे अभी तक मैदान पर पूरी तरह दिखा नहीं पाए हैं।

शरीर को परफेक्ट शेप देती है स्विमिंग

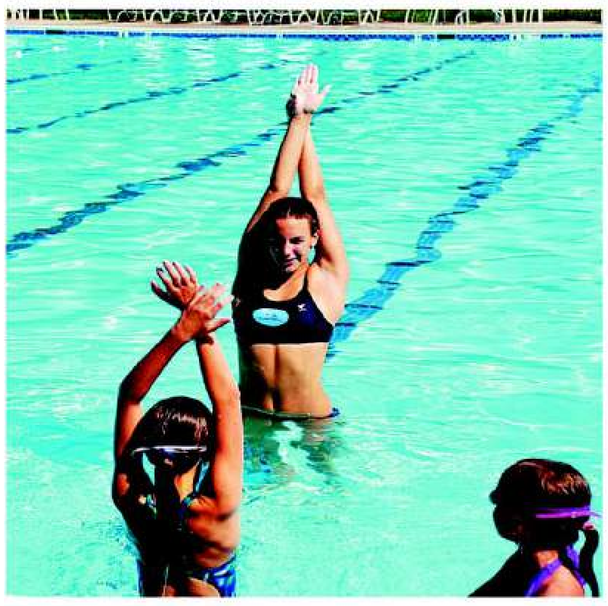

इस जानलेवा गर्मी में आपके सेहत और स्वास्थ के लिए परफेक्ट है स्विमिंग। स्विमिंग करना है ही ऐसा शौक! जिससे बहुत दिनों तक दूर रहा ही नहीं जा सकता और अगर आपको स्वीमिंग के सेहतभरे लाभ पता चल जाएंगे तो आप झट से पूल की ही ओर दौड़ेगे। स्विमिंग अपने आपमें एक बेहतरीन एक्सरसाइज है जो हमारे शरीर को आकर्षक बना देता है। शायद इसी कारण से महिलाओं को स्विमिंग करना इतना पसंद आता है।

बॉडी को बनाए लचीला

बॉडी में ज्यादा से ज्यादा लचीलापन लाने के लिए काफी लोग जिम और अन्य प्रकार के व्यायामों की मदद लेते हैं। लेकिन स्विमिंग करना भी एक एक्सरसाइज ही है। जिससे आपके शरीर के हर हिस्से में लचीलापन बना रहता है।

स्ट्रेस करें दूर

तनाव रहने पर आप किसी भी काम के ठीक से नहीं कर पाते। लेकिन स्विमिंग करने से टेंशन से राहत मिलती है और आपका माइंड अच्छे से काम करेगा। इससे आपके पूरे शरीर की एक्सरसाइज हो जाती है।

मोटापा होता है कम

स्विमिंग को कैलोरी बर्न वाले बेहतर एक्सरसाइज में से एक है। तैरने से मोटापर कंट्रोल में रहता है और वजन भी कम होता है। हर रोज 30 मिनट तैरने से शरीर से लगभग 440 कैलोरी कम हो जाती है।

पूरे शरीर का व्यायाम

स्विमिंग करते वक्त आप पूरे शरीर की ताकत लगती है तो वो एक अच्छा वर्कआउट माना जाता है। अगर आपको कोई एक ऐसा व्यायाम पसंद करना हो जिसमें पूरे शररीर का उपयोग होता हो तो, स्वीमिंग से अच्छा और क्या हो सकता है भला।

दिल और फेफड़े

तैराकी एक ऐसा व्यायाम है जिसको करने से सांस बार-बार अंदर बाहर खींचनी पड़ती है। इसलिए यह दिल और फेफड़े के लिए अच्छी मानी जाती है। स्विमिंग कर लेने से आपके शरीर को दिमाग को बहुत राहत मिलती है।

चाय एंटी आक्सीडेंट्स का उत्तम स्रोत

यू.एस. डिपार्टमेंट आफ एग्रीकल्चर एंड ह्यूमन न्यूट्रीशनल रिसर्च के विशेषज्ञों के एक शोध के अनुसार चाय एंटी आक्सीडेंट्स का उत्तम स्रोत है जिससे बहुत से स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। हरी और काली चाय में पाया जाने वाला पॉलीफीनोल अन्य किसी एंटी आक्सीडेंट की तरह शरीर के सैल्स को सुरक्षा प्रदान करता है। इस शोध में यह भी पाया गया कि चाय में मौजूद एंटीआक्सीडेंट्स की क्षमता फलों व सब्जियों की तुलना में अधिक होती है।

बच्चों में फूड फोबिया

कुछ बच्चे खाने और पीने को लेकर बहुत ही प्रतिबंधीत हो सकते हैं। वे अक्सर कुछ खानों से बचते हैं क्योंकि वे बिमार होने और नए खाने और गेगिंग, चोकिंग से डरते है। खाने और पीने से मना करने पर खाने के समय युद्धक्षेत्र में बदल सकता है। हालांकि फूड फोबिया वाले बच्चे स्वस्थ होते है और ग्रोथ और विकास सही ढग से करते है जो वो खाते है या पीते हैं उसी से ज्यादा कैलोरी और पोषक मिलते हैं।

गर्मी में आपका सच्चा साथी है पुदीना

पुदीना एक अच्छा माउथफ्रेशनर तो है ही ये हाजमे के लिए भी बहुत अच्छा है। इसके सेवन से पाचन क्रिया दुरूस्त रहती है। पुदीने की चटनी बहुत स्वादिष्ट होती है। पुदीना शानदार एंटीबॉयटिक की तरह भी काम करता है। गर्मियों पुदीना के इस्तेमाल के ढेरों फायदे हैं। आइए हम आपको पुदीने के कुछ खास गुणों के बारे में बताते हैं।

देशी प्राकृतिक माउथफ्रेशनर

मुंह में बदबू आने पर पुदीने का सेवन करना चाहिए। पुदीने के रस को पानी में मिलाकर कुल्ला करने से मुंह की बदबू दूर होती है। इससे मुंह में ठंडक का भी एहसास होता है।

घाव पर असरदार

पुदीना का रस किसी घाव पर लगाने से जख्म जल्दी भर जाते हैं। यदि किसी घाव से बदबू आ रही है तो इसके पत्ते का लेप लगाने से बदबू आना बंद हो जाती है। पुदीना कई प्रकार के चर्म रोगों को समाप्त करता है। चर्म रोग होने पर पुदीना के पत्तों का लेप लगाने से आराम मिलता है।

लू से बचाता है पुदीना

गर्मी में लू लगने के के बाद पुदीने का सेवन करना चाहिए। लू लगने पर रोगी को पुदीने का रस और प्याज का रस देने से फायदा होता है। बुखार होने पर पुदीना पीना चाहिए, इससे बुखार में फायदा होता है। बुखार में पुदीने को पानी में उबालकर थोड़ी चीनी मिलाकर उसे गर्म-गर्म चाय की तरह पीना चाहिए।

कई रोगों में काम आता है

हैजा होने पर पुदीना बहुत फायदा करता है। हैजा होने पर पुदीना, प्याज का रस, नींबू का रस बराबर-बराबर मात्रा में मिलाकर पिलाने से लाभ होता है। उल्टी होने पर आधा कप पुदीना का रस हर दो घंटे पर रोगी को पिलाइए, इससे उल्टी आना बंद हो जाएगा। टॉसिल्स से परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इससे गरारे करना फायदेमंद होगा।

पेट का दोस्त

अजीर्ण होने पर पुदीने का रस पानी में मिलाकर पीने से फायदा होता है। पेटदर्द होने पर पुदीने को जीरा, हींग, काली मिर्च में नमक मिलाकर पीने से पेट का दर्द समाप्त हो जाता है।

महिलाओं का साथी

पुदीना महिलाओं का सच्चा दोस्त है गर्भवती महिला को प्रसव के समय पुदीने का रस पीना चाहिए, इससे आसानी से प्रसव हो जाता है। ताजा-हरा पुदीना पीसकर चेहरे पर बीस मिनट तक लगा लें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। इससे त्वचा की गर्मी समाप्त होती है और ग्लो आता है।

हिचकी का एंटी डोज

हिचकी आने पर पुदीना का प्रयोग करना चाहिए, इससे हिचकी आना बंद हो जाता है। अगर पैर के तलवों जलन की शिकायत रहती है तो फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाएं तुरंत राहत मिलेगी।

कब करें दूसरी प्रेग्नेंसी की प्लानिंग

घर में दूसरे बच्चो का जन्म खुशी के साथ ही चुनैतियों भी लेकर आता है। ऐसे में खासकर मां की जिम्मेदारी कई गुना बढ जाती है। अपनी हैल्थ के साथ ही दो बच्चों का ख्याल रखना आसान काम नहीं, इसलिए दूसरे बच्चे की प्लानिंग से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

आज की तेजी से बदलती लाइफस्टाइल में जहां शादी की उम्र बढ जा रही है, वहीं बड़ी उम्र में शादी करने वाली महिलाएं जल्द से जल्द दूसरे बच्चे के बारे में भी सोचने लगती हैं। क्योंकि वो अपनी बढती उम्र को लेकर चिंतित रहती हैं, लेकिन डॉक्टर्स का मानना है कि पहली और दूसरी प्रेग्नेंसी के बची कम से कम 18 महीने से लेकर 2 साल का गैप होना चाहिए। ये मां और बच्चो की हैल्थ के लिए बेहद जरूरी है।

आजकल ज्यादातर महिलाएं जहां 30 साल के बाद मां बन रहीं हैं, वहीं दूसरे बच्चो की प्लानिंग भी वो जल्दी करना चाहिए हैं। उन्हें डर लगा रहता है कि बढती उम्र कहीं उनकी प्रेग्नेंसी में रूकावट न बना जाए। दसूरे बच्चो की चाहत में कई बार वो अपनी हैल्थ को भी नजरअंदाज कर देती है।

विशेषज्ञों के मुताबिक कुछ महिलाएं दूसरे बच्चो को लेकर इतनी उत्साहित रहती हैं कि पूरी तरह रिकवर हुए बिना ही सेकंड चाइल्ड की प्लानिंग कर लेती हैं, जबकि ऐसा करना उनकी और बच्चो की हैल्थ के लिए खतरनाक हो सकता है। प्रेग्नेसी के लिए महिला का पूरी तरह स्वस्थ होना बेहद जरूरी है। फर्स्ट प्रेग्नेंसी के बाद महिलाओं की बॉडी को रिकवर होने में वक्त लगता है, इसलिए डॉक्टर्स पहले बच्चो के दो साल बाद ही दूसरे की प्लानिंग की सलाह देते हैं।

प्यार और देखभाल के साथ ही बच्चो की परवरिश में एक और चीज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और वो है पैसा। बच्चो के जन्म से लेकर उसके स्कूल-कॉलेज जाने तक उसको उस पर अच्छा-खासा खर्च करना पड़ता है अतः सेकंड चाइल्ड के बारे में सोचने से पहले अपना आर्थिक स्थिति का जायजा भी ले लें यानी यह देख लें कि क्या आप दो बच्चों को अच्छी परवरिश देने की स्थिति में है।

गर्मी के दिनों में खान-पान में सावधानी न बरतना पड़ सकता है भारी

...तो आपको हो सकता है डिहाइड्रेशन

गर्मी के दिनों में खाने-पीने का जरूर ध्यान रखें, वरना आप परेशानी में पड़ सकते हैं। जरा सी लापरवाही आपको बीमार बना सकती है। गर्मी के दिनों में खान-पान में लापरवाही से आपको डिहाइड्रेशन हो सकता है। आमतौर पर लोग अन्य मौसमों की तरह गर्मियों में भी खाने-पीने में लापरवाही बरतते हैं। ऐसा कर के वे खुद अपने स्वास्थ्य से खिलवाड़ करते हैं। तो आइए आज हम आपको बताएंगे कि आपको गर्मी के दिनों में किस तरह से संतुलित भोजन लेना चाहिए।

संतुलित भोजन लें...

गर्मी के दिनों में कुछ भी खाते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बिल्कुल सादा और संतुलित भोजन ही लिया जाए। अगर आपको भूख न हो तो भोजन न करें, ऐसे में यदि आप कुछ भी खाते हैं तो वो आपको नुकसान कर सकता है। खुलकर भूख लगने पर ही भोजन ग्रहण करें और भूख से थोड़ा कम खाएं। थोड़ी-थोड़ी मात्रा में भोजन को अच्छी तरह चबा-चबाकर खाएं। यदि पेट में भारीपन महसूस हो तो गर्मी के दिनों में एक समय का भोजन न करें। खासतौर पर 50 वर्ष की आयु के बाद के लोगों को तो ठंडी चीजों का ही सेवन करना चाहिए। एक बार खाना खाने के 3-4 घंटे बाद तक पानी के सिवा और कुछ न लें।

लिक्विज चीजों का करें ज्यादा इस्तेमाल

खाना खाते वक्त पानी न पिएं, क्योंकि इससे भोजन ठीक से नहीं पचता और कब्ज की शिकायत बनी रहती है। भोजन ग्रहण करने के एक घंटा बाद पानी पिएं और बाकी समय में भी पानी पीते रहें। गर्मी के दिनों में ये प्रयास करें कि लिक्विड चीजों का ज्यादा से ज्यादा सेवन करें, जैसे ठंडा पानी, लस्सी, जूस, नींबू पानी, आम का पना, जलजीरा इत्यादि। इससे आपके स्वास्थ्य पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा। खासतौर पर सुबह सुबह नाश्ते में फल या सब्जी का जूस, अंकुरित अनाज, फल, दलिया, दूध आदि लें। गर्मी के दिनों में खासतौर पर मई-जून के महीनों में खाने में साग-सब्जी का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया जाना चाहिए। रात का भोजन 7-8 बजे तक कर लें। रात का भोजन सुपाच्य और हल्का होना चाहिए। सोने से कम-से-कम 3 घंटा पहले भोजन ग्रहण कर लेना चाहिए। ऐसा करने से भोजन आसानी से पच जाता है।

परेशानी का सबब न बन जाए नौकरी बदलना

अच्छी नौकरी छोड़ना जितना आसान है, उसे पाना उतना ही कठिन इसलिए कभी भी भावुकतावश नौकरी न छोड़ें। पहले ठंडे दिमाग से अच्छी तरह उसके फायदे-नुकसान जरूर तोल लें। अक्सर देखा गया है कि व्यक्तिगत जीवन में तनाव एवं समस्याएं आने पर पलायनवादी मन वर्तमान से पलायन चाहता है और बगैर कुछ सोचे-समझे यह कदम उठा लेता है।

समस्याएं सुलझाने से ही आप बनेंगे निर्णय लेने के काबिल

समस्याएं सुलझने पर ही आप सही निर्णय लेने के काबिल बनेंगे। नौकरी बदलने से पहले अपनी आकांक्षाओं को भली-भांति परख लेना चाहिए। साथ ही अपनी योग्यता को ज्यादा या कम नहीं आंकना चाहिए। सही मूल्यांकन जीवन में सफल होने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी के साथ यह भी जांच लें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि 'फैमिलियरिटी ब्रीड्स कटैम्प्ट' (किसी कार्य का गहन ज्ञान या किसी व्यक्ति से अत्यधिक नजदीकी की वजह से उनका महत्व कम होने लगना) वाली कहावत आपके कार्य के साथ भी चरितार्थ हो रही है।

इन बातों का रखें खास ध्यान...

अनजाने का आकर्षण हकीकत में कई बार मोहभंग भी करता है, लेकिन यहां यह सलाह हरगिज नहीं दी जा रही है कि महज 'ओल्ड इज गोल्ड' मान कर आप सदैव अपनी पुरानी नौकरी से ही चिपके रहें, फिर भले ही वह आपके उज्ज्वल भविष्य और शानदार कॅरियर में बाधा ही क्यों न हो। वेतन नौकरी के लिए सबसे प्रथम और महत्वपूर्ण प्रेरणा है। नई जगह अधिक वेतन मिलने जा रहा हो और अन्य सुविधाएं मिलाकर आपको आर्थिक लाभ अधिक दिखाई दे, उस कार्य पर अवश्य गौर किया जा सकता है। वर्तमान नौकरी में आपकी योग्यता का पूरा उपयोग न हो रहा हो, आगे सीखने को न मिल रहा हो, एक जड़ता की स्थिति सी आ गई हो जो आप में कार्य के प्रति ऊब भर रही हो तो आपका नौकरी बदलना एक सही कदम हो सकता है। आपके कार्य की प्रशंसा न करके बॉस आपकी हर समय आलोचना कर आपका मनोबल तोड़ने पर आमादा हो। परिणामस्वरूप आपके पास भी दफ्तर को लेकर सिर्फ नकारात्मक बातें रह जाएं और यह सब आपके व्यक्तित्व को प्रभावित कर रहा हो जिसका असर आपके पारिवारिक जीवन पर पड़ रहा हो तो नौकरी बदलने में ही समझदारी होती हैं।

रेसिपी

केले की चाट

सामग्री

3 से 4 ताजे केले, व्रत के लिए सेंधा नहीं तो चाट मसाला स्वाद अनुसार, आधा टी स्पून लाल मिर्च, आधा कटा नींबू और आप चाहे तो आधा टी स्पून चीनी भी ले सकते हैं।

विधि

केलों को छील कर गोल गोल गोल काट लें। इसमें नमक या चाट मसाला स्वाद अनुसार मिला लें। हल्की सी लाल मिर्च डालें और ऊपर से नीबू निचोड़ लें। अब इच्छा हो तो चीनी भी डाल कर अच्छी तरह मिला लें। लीजिए तैयार है आपकी चटपटी शानदार केले की चाट। आप चाहें तो इसमें सेब और खीरा काट कर मिला लें और मिनी फ्रूट चाट भी बना सकते हैं।

फ्रूटी स्प्राउट सलाद

सामग्री

एक कप स्प्राउटस, एक सेब, एक संतरा, एक कप काले और हरे अंगूर मिले हुए, आधा कप अनार दाने, तीन चार स्ट्राबरी, एक नीबू का रस, पुदीने की कुछ पत्तियां, थोड़ा सा बारीक कटा हरा धनिया, नमक और चाट मसाला स्वाद के अनुसार।

विधि

एक बड़ा बर्तन लें और सारे फलों के साथ स्प्राउटस को भी उसमें मिला लें। सर्व करने से ठीक पहले इसमें कटा हरी धनिया और पुदीना की पत्तियां डाल कर मिलायें और इसमें टेस्ट के हिसाब से नमक और काला नमक डाल कर अच्छी तरह चला लें। इसमें नीबू निचोड़ कर फिर एक बार अच्छी तरह मिलाएं। आपका टेस्टी और हैल्दी फ्रूटी स्प्राउट सलाद तैयार है। आप इसे ब्रेकफास्ट भी खा सकते हैं और खाने के साथ भी।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**